हरिभूमि
रायपुर भूमि

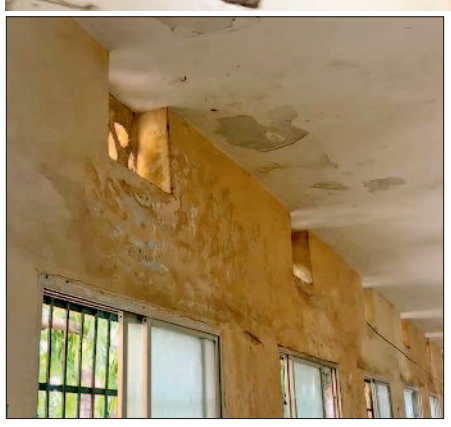

500 विद्यार्थियों का स्कूल, भरभरा कर गिर गई छत, गुहार-दो साल से, कार्रवाई-शून्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

यदि आप अपने बच्चों को अध्ययन के लिए शासकीय विद्यालयों में भेज रहे हैं, तो उन्हें अपने रिस्क में भेजें। प्रदेश में दूरस्थ गांवों में छोड़िए, राजधानी रायपुर के ही शासकीय विद्यालय मरम्मत को तरस रहे हैं। पुरानी बस्ती स्थित नवीन सरस्वती कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला के छत का प्लास्टर बारिश के बाद भरभरा कर गिर गया। मलबे को स्कूल ⏭शेष पेज 13 पर

हरिभूमि सरोकार

- एक बार फिर गिरा पुरानी बस्ती स्थित शासकीय विद्यालय का प्लास्टर
- मामला नवीन सरस्वती कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला का

बीते दो सत्रों से आवेदन

पिछले सत्र में भी मरम्मत के लिए आवेदन दिया था। नगर निगम से लेकर स्कूल शिक्षा विभाग तक में शिकायत कर चुके हैं। कुछ हल नहीं निकला।
- अजय साहू, पार्षद, वार्ड क्रमांक-43

बारिश में नहीं पहुंचते बच्चे

भारी बारिश होने की स्थिति में कई कक्ष में छत से पानी टपकने लगता है। ऐसे में छात्रों की कॉपी-पुस्तकें भी खराब हो जाती हैं। प्लास्टर गिरने की घटनाओं से भी बच्चे सहमे हुए रहते हैं। ऐसे में अधिक बारिश होने की स्थिति में छात्र स्कूल ही नहीं पहुंचते हैं। एक शिक्षिका ने नाम ना छापने की शर्त पर बताया, बारिश वाले दिन उन्हें भी डर लगने लगता है। कक्षाएं जर्जर स्थिति में पहुंच चुकी हैं, ऐसे में वे भी भारी बारिश वाले दिनों में बच्चों पर स्कूल आने दबाव नहीं डालते हैं।

बाल-बाल बचीं प्राचार्य

6 फीट लंबा एक प्लास्टर प्राचार्य कक्ष में ठीक उनकी कुर्सी के ऊपर जा गिरा। राहत की बात यह रही कि प्लास्टर गिरने के मात्र दो मिनट पूर्व ही किसी कार्य के लिए प्राचार्य अपने कक्ष से निकली थीं। ऐसे में उनकी जान-जान बाल-बाल बच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शाला प्रबंधन द्वारा जिला शिक्षा कार्यालय को इस संदर्भ में खत लिखकर सूचित किया गया। घटना के 48 घंटे बाद भी ना तो किसी तरह की कार्रवाई हुई और ना ही कोई जांच के लिए ही आया।

खबर संक्षेप

जब्त मादक पदार्थों का किया नष्टीकरण

रायपुर। पुलिस कमिश्नरेट के नार्थ जोन क्षेत्र के थानों के एनडीपीएस प्रकरणों में जब्त प्रतिबंधित मादक पदार्थों का सिलतरा स्थित जायसवाल निको प्लांट में गुरुवार को नष्टीकरण किया गया। नष्टीकरण की कार्रवाई केंद्रीय गृह मंत्रालय, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के दिशा-निर्देशों एवं एनडीपीएस एक्ट में निहित प्रावधानों के अनुरूप गठित जिला स्तरीय ड्रग डिस्पोजल कमेटी द्वारा की गई। एनडीपीएस के 43 प्रकरणों में जप्त 160.722 किलोग्राम गांजा, 100 ग्राम डोडा चूरा, 236 ग्राम अफीम, 2,734 नग प्रतिबंधित टेबलेट तथा 503 नग प्रतिबंधित कफ सिरप को प्लांट के फर्नेश में डालकर नष्टीकरण किया गया।

गांजा तस्कर को 20 साल कैद, दो लाख जुर्माना

रायपुर। गांजा तस्कर को विशेष न्यायाधीश किरण थवाईत की एनडीपीएस कोर्ट ने 20 साल कैद के साथ दो लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। विशेष लोक अभियोजक भुवनलाल साहू के अनुसार, कोर्ट ने गनी खान को कैद तथा जुर्माने की सजा सुनाई है। सरस्वती नगर थाने की पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर 20 फरवरी 2024 को गनी के कब्जे से 49 किलो गांजा जब्त किया था। वह कोचियों को बेचने के लिए गांजा तस्करी कर लाया था।

पैरोल पर छूटा कैदी फरार, रिपोर्ट दर्ज

रायपुर। सेंट्रल जेल में उम्र कैद की सजा काट रहा कैदी 16 दिन की पैरोल में छूटने के बाद जेल में आमद दर्ज कराने के बजाय फरार हो गया। जेल प्रशासन ने गंज थाने में कैदी के फरार होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। धमतरी भखारा निवासी कृष्ण कुमार उर्फ कृष्णा वर्ष 2022 में हत्या और साक्ष्य मिटाने के मामले में दोष सिद्ध होकर आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। उसे जेल मुख्यालय के आदेश पर 19 जून 2026 को 16 दिनों की पैरोल पर छोड़ा गया था। 4 जुलाई की शाम 5 बजे तक उसे जेल में आत्मसमर्पण करना था।

लूट के आरोप में नाबालिग समेत आधा दर्जन गिरफ्तार

रायपुर। फरसे की नोक पर दो लूट करने वाले एक नाबालिग सहित आधा दर्जन बदमाशों को खमतराई थाने की पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने लूटे गए तीन मोबाइल, नकदी तथा फरसा जब्त किया है। डीआरएम ऑफिस के सामने 20 जून की मध्य रात्रि एक बाइक सवार के साथ 18 सौ रुपए नकदी के साथ मोबाइल लूट की थी। इसके पहले वाल्टेयर लाइन पर हाईवा चालक के साथ लूट की थी। लूट के आरोप में पुलिस ने जयराज तांडी, करन नायक, दिनेश सोना, कृष्णा उर्फ अर्जुन उर्फ बाबू, बबलू महानंद तथा एक किशोर को गिरफ्तार किया है।

पुरानी बस्ती कोतवाली तथा क्राइम ब्रांच की टीम सीसीटीवी कैमरों की पड़ताल में जुटी

आस्था की भीड़ में अधर्मी, पांच महिलाओं के गले से खींची सोने की चेन, केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

इंडोर स्टेडियम में आयोजित भागवत कथा के एक दिन पूर्व निकाली गई कलश यात्रा में पांच महिलाओं के गले से अज्ञात चोर ने सोने की चेन पार कर दी। घटना की शिकायत कोतवाली थाने में दर्ज की गई है। भीड़ का फायदा उठाकर बदमाशों ने घटना को अंजाम दिया है। जिन महिलाओं की गले से चेन चोरी हुई है, वे महिलाएं बता नहीं पा रही हैं कि किस मार्ग में उनके गले से चेन उतारी गई। आशंका जताई जा रही है, कलश यात्रा में चोरी तथा उठाईगिरी करने वाली महिलाएं शामिल हुई होंगी। उन लोगों द्वारा चोरी की घटना को अंजाम दिया गया होगा।

इंडोर स्टेडियम में देवकीनंदन महाराज भागवत कथा करने आए हैं। कथावाचन के एक दिन पूर्व महिलाएं कलश लेकर महामाया मंदिर कुंड में पवित्र जल लेने गई थीं। संजय नगर निवासी अर्चना गुप्ता तथा चार अन्य महिलाओं ने चेन चोरी होने की थाने में शिकायत दर्ज कराई है। महिलाओं को सोने की चेन चोरी होने की जानकारी इंडोर स्टेडियम पहुंचने पर हुई।

महामाया मंदिर से इंडोर स्टेडियम के लिए निकली थी कलश यात्रा

पतासाजी करने कैमरे खंगाल रही पुलिस

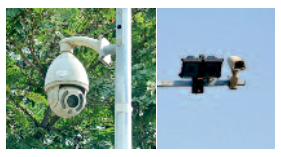

महिलाएं बता नहीं पा रही हैं कि चोरी की घटना कहां हुई है। इसीलिए कोतवाली पुलिस ने महिलाओं की शिकायत के आधार पर चोरी की रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस अब कलश यात्रा मार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फूटेज खंगाल रही है। भीड़ में सक्रिय संदिग्ध महिला और पुरुषों की पहचान करने के साथ-साथ पुराने चेन स्नैचर गिरोहों की गतिविधियों की भी जांच की जा रही है।

सुरक्षा के नाम पर गिनती के पुलिसकर्मी

महामाया मंदिर से कलश यात्रा रूट में पर्याप्त संख्या में पुलिस बल मौजूद नहीं था। इसका फायदा उठाते हुए चोर गिरोह ने भीड़ का फायदा उठाते हुए महिलाओं के गले से सोने की चेन चोरी की। भागवत कथा तथा कलश यात्रा का प्रचार कई दिन पूर्व से हो रहा था। इस कारण कलश यात्रा में बड़ी संख्या में शामिल होने महिलाएं पहुंची थीं।

सुरक्षा बढ़ाने के दिए निर्देश

चोरी की घटना ने पुलिस की सक्रियता की पोल खोल कर रख दी है। घटना के बाद पुलिस अफसर धार्मिक आयोजनों और भीड़ वाले कार्यक्रमों में सक्रिय चेन स्नैचर गिरोहों पर नजर रखने पुलिसबल की तैनाती बात कह रही है। साथ ही श्रद्धालुओं से भी अपील की गई है कि ऐसे आयोजनों में अपने कीमती आभूषणों और सामान का विशेष ध्यान रखें। संदिग्ध गतिविधि वाले पुरुष महिला देखे जाने पर उसकी सूचना तत्काल पुलिस को देने अपील की है।

पुलिस कमिश्नरेट के थानों में छह महीनों में सवा पांच सौ चोरी, रिकवरी रेट 35 प्रतिशत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हर बड़े अपराध को सुलझा लेने वाली पुलिस के लिए फजीहत तब होती है, जब वह चोरी में रिकवरी सही तरीके से नहीं कर पाती। पुलिस कमिश्नरेट के 21 थाना क्षेत्रों में पिछले छह माह में 528 चोरी की घटनाएं हुई हैं। इन चोरी की घटनाओं में चोर चार करोड़ रुपए के सोने-चांदी के जेवर तथा अन्य कीमती सामान चोरी कर ले गए हैं। पुलिस के दावों के मुताबिक चोरी की घटना पर तत्काल संज्ञान लेते हुए कार्रवाई भी की जा रही है, जिसके कारण चोरी के प्रकरण के आरोपी पहले की तुलना में ज्यादा पकड़े जा रहे हैं। पुलिस के दावों के विपरीत चोरी की घटनाओं में रिकवरी रेट बेहद ही निराशाजनक रहा है। चोरी का रिकवरी रेट महज 35 प्रतिशत रहा है, नकबजनी में रिकवरी रेट 50 प्रतिशत रहा है। कई बड़ी चोरी की घटनाओं को पुलिस अब तक सुलझा नहीं पाई है। इसके अलावा खम्हारडीह थाना क्षेत्र के ज्वेलरी शो-रूम में चोरी की घटना में शामिल एक आरोपी के खुदकुशी करने के बाद पुलिस पूरे माल की अब तक बरामदगी नहीं कर पाई है।

बड़ी चोरी की जांच क्राइम ब्रांच के भरोसे

संबंधित थाने की पुलिस अपने क्षेत्र में चोरी की घटना को सुलझाने के बजाय केस एंटी क्राइम एंड सायबर यूनिट के पास ट्रांसफर कर देती है। इसके साथ ही पुलिस कई प्रकरण में चोरी की रिपोर्ट दर्ज करने के बजाय केवल शिकायत लेकर जांच करने के बाद प्रार्थी को चोरी की रिपोर्ट दर्ज करने की बात कह कर चलता कर देती है। इस प्रकार शिकायती जांच शहर के अमूमन सभी थाना क्षेत्रों में हैं। अगर उन प्रकरणों को भी जोड़ दिया जाए, तो चोरी की संख्या सात सौ के पार हो जाएगी।

रिकवरी रेट इसलिए कम

चोरों के पकड़े जाने के बाद रिकवरी रेट कम होने का सबसे बड़ा कारण समय रहते चोरी की जांच नहीं करना। इस कारण चोर देर होने पर चोरी की ज्यादातर रकम खर्च कर देते हैं और कीमती सामान को बाजार में आने-पौने दाम पर बेच देते हैं। चोरी की घटनाओं का रिस्पांस टाइम पर जांच होने पर रिकवरी रेट ज्यादा होगा।

मुखबिर तंत्र हुआ कमजोर

चोरी की घटना को सुलझाने पुलिस वर्तमान में घटना स्थल तथा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के साथ अन्य तकनीकी साधनों का उपयोग करती है। तकनीकी संसाधनों के साथ सीसीटीवी कैमरों की वजह से पुलिस अपने मुखबिर तंत्र से दूर होती जा रही है। इसलिए भी चोरी की घटना सुलझाने में देर हो रही है। मुखबिर तंत्र मजबूत नहीं होने की वजह से पुलिस को संदिग्धों की जानकारी जो पूर्व में पहले से पता चल जाती थी, वह अब पता नहीं चल पा रही।

अब संविदा, प्लेसमेंट और आउटसोर्स कर्मी भी होंगे डिजिटल, मिलेगा 'कर्मयोगी भारत' का प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रशासनिक क्षमता निर्माण और डिजिटल प्रशिक्षण व्यवस्था का दायरा बढ़ाते हुए अब संविदा, प्लेसमेंट तथा विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से कार्यरत कर्मचारियों को भी कर्मयोगी भारत के आईगॉट पोर्टल से जोड़ने का निर्णय लिया है। सा मा न्य प्रशासन विभाग के निर्देशों के बाद नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने भी राज्य के सभी नगरीय निकायों, क्षेत्रीय कार्यालयों और राज्य शहरी विकास अभिकरण को पत्र जारी कर इन कर्मचारियों की 100 प्रतिशत ऑनबोर्डिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

- सभी विभागों को 100 फीसदी ऑनबोर्डिंग के निर्देश

क्या होगा प्रभाव : इस निर्णय के बाद पहली बार राज्य सरकार की डिजिटल प्रशिक्षण व्यवस्था का दायरा नियमित कर्मचारियों से आगे बढ़कर संविदा, प्लेसमेंट और आउटसोर्स कर्मचारियों तक पहुंचेगा। ⏭शेष पेज 13 पर

क्या है आईगॉट पोर्टल

आईगॉट पोर्टल केंद्र सरकार के कर्मयोगी भारत मिशन का डिजिटल प्रशिक्षण मंच है। इसके माध्यम से सरकारी कर्मचारियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण, क्षमता विकास, कौशल उन्नयन और विभिन्न विषयों पर ई-लर्निंग पाठ्यक्रम उपलब्ध कराए जाते हैं। अब छत्तीसगढ़ सरकार इस व्यवस्था का लाभ संविदा और आउटसोर्स कर्मचारियों तक भी पहुंचाना चाहती है।

ऑनबोर्डिंग के लिए दो विकल्प

एसओपी में कर्मचारियों के पंजीयन के दो तरीके बताए गए हैं। पहला, विभागीय नोडल अधिकारी बल्क अपोलड़ के माध्यम से एक साथ सभी कर्मचारियों का डेटा अपलोड कर सकते हैं। इसके लिए एमडीओ पोर्टल में लॉगिन कर निर्धारित टेम्पलेट डाउनलोड करना होगा, कर्मचारियों का विवरण भरना होगा और उसे अपलोड कर यूजर अकाउंट बनने की पुष्टि करनी होगी।दूसरा, विभागीय नोडल अधिकारी कस्टम रजिस्ट्रेशन लिंक तैयार कर संबंधित कर्मचारियों को भेज सकते हैं। कर्मचारी उस लिंक के माध्यम से स्वयं अपना पंजीयन पूरा करेंगे, जिसके बाद विभाग उनके सफल पंजीयन और अकाउंट सक्रिय होने की पुष्टि करेगा।

सभी विभागों, कलेक्टरों और संभागायुक्तों को भी दिए गए निर्देश

सामान्य प्रशासन विभाग ने अपने आदेश में शासन के सभी विभागों, विभागाध्यक्षों, संभागायुक्तों और कलेक्टरों को निर्देशित किया है कि उनके प्रशासनिक नियंत्रण में कार्यरत सभी संस्था, संविदा और प्लेसमेंट कर्मचारियों का पंजीयन सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर निर्धारित समय-सीमा में पूरा कराया जाए। इस कार्य को आसान बनाने के लिए विभाग ने हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) भी जारी की है। नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा 9 जुलाई को जारी पत्र में संचालक नगरीय प्रशासन, राज्य शहरी विकास अभिकरण, सभी क्षेत्रीय संयुक्त संचालकों, नगर निगम आयुक्तों तथा नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों से कहा गया है कि सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशों का पालन करने कहा है।

समंदर पार से आए विदेशी मेहमान...

रायपुर। खारुन नदी पर स्थित टोलाघाट पाटन, दुर्ग और महादेवघाट का क्षेत्र बारिश के मौसम में प्रवासी पक्षियों के लिए एक प्रमुख आकर्षण केंद्र बन जाता है। यहां हजारों किलोमीटर की दूरी तय कर साइबेरिया, यूरेशिया और मध्य एशिया के पक्षी आते हैं। मुख्य रूप से पेंटेड स्टॉर्क, रेड-क्रेस्टेड पोचार्ड, बत्तखें और विभिन्न प्रकार के जलपक्षी देखे जा सकते हैं। सुबह सूर्योदय के समय और शाम को इनके करतब देखना आकर्षण का केंद्र होता है।

राजधानी सबसे गर्म, बारिश सामान्य से 18 फीसदी कम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

33.1 डिग्री तापमान के साथ राजधानी गुरुवार को प्रदेश में सर्वाधिक गर्म रही। जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सामान्यतः प्रदेश में सबसे अधिक गर्म रहने वाले राजनांदगांव में दर्ज किया गया। रायपुर का न्यूनतम तापमान 25.8 डिग्री रहा, जो सामान्य से एक डिग्री अधिक है। रायपुर में दिनभर बादल छाए रहे, लेकिन बारिश की स्थिति निर्मित नहीं हुई। पूरे प्रदेश में फिलहाल हल्के बादल छाए रहेंगे, लेकिन मानसून द्रोणिका के कारण उत्तर ⏭शेष पेज 13 पर

वज्रपात की भी चेतावनी

मौसम विभाग के अनुसार, मानसून द्रोणिका माध्य समुद्र तल पर अनूपगढ़, रोहतक, दक्षिण पश्चिम उत्तर प्रदेश, फुरसतगंज, डेहरी, धनबाद, बांकुरा दीघा और उसके बाद पूर्व दक्षिण पूर्व की ओर उत्तर पूर्व बंगाल की खाड़ी तक स्थित है। एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण उत्तर बिहार और उसके आसपास 5.8 किलोमीटर ऊंचाई पर स्थित है। प्रदेश में 10 जुलाई को कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है।

मानसून में यात्रियों को मिलेगी बेहतर सुविधा

कोच में लीकेज कहां, अब कृत्रिम वर्षा से सालभर होगी जांच

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

तेज बारिश में अक्सर ट्रेनों के कोच से पानी रिसाव की शिकायत रेलवे को मिलती रही है, जिसका अब समाधान दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने ढूंढ निकाला है। बारिश के पानी से कोच में होने वाले रिसाव की जांच के लिए स्वदेशी 'रेन वाटर इन्ग्रेस टेस्ट बेंच' विकसित किया है। इस प्रणाली के माध्यम से कृत्रिम वर्षा का वातावरण बनाकर कोच की छत, खिड़कियों, साइड पैनलों और अन्य संवेदनशील हिस्सों से होने वाले संभावित पानी के रिसाव की जांच की जाएगी। अब तक पानी के रिसाव की पहचान मुख्य रूप से प्राकृतिक बारिश पर निर्भर थी, जिससे पूरे वर्ष इसकी जांच संभव नहीं हो पाती थी। इस समस्या को देखते हुए बिलासपुर कोचिंग डिपो के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उपलब्ध संसाधनों का उपयोग कर अधिकांशतः स्क्रैप सामग्री से इस टेस्ट बेंच का डिजाइन और निर्माण किया। केवल कुछ आवश्यक पुर्जे ही बाजार से खरीदे गए।

खास खबर

कोच में पानी टपकने से मिलेगी राहत

रेलवे के अनुसार, इस प्रणाली से वर्षभर कृत्रिम वर्षा के माध्यम से कोचों की जांच की जा सकेगी। इससे संभावित पानी के रिसाव का पता समय रहते लगाकर उसे कोच को सेवा में शामिल करने से पहले ही ठीक किया जा सकेगा। इससे मानसून के दौरान यात्रियों को पानी टपकने जैसी समस्याओं से राहत मिलने, कोचों की गुणवत्ता और विश्वसनीयता बढ़ने तथा बार-बार रखरखाव की आवश्यकता कम होने की उम्मीद है।

वंदे भारत जैसी आधुनिक ट्रेनों के कोच में जांच

रेलवे ने बताया कि इस टेस्ट बेंच की पोर्टेबल डिजाइन के कारण इसका उपयोग पारंपरिक रेल कोचों के साथ-साथ वंदे भारत जैसी आधुनिक ट्रेनों के कोचों में भी किया जा सकता है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अनुसार, यह स्वदेशी नवाचार कर्मचारियों की तकनीकी दक्षता, रचनात्मक सोच और उपलब्ध संसाधनों के प्रभावी उपयोग का उदाहरण है। इससे कोच अनुरक्षण की गुणवत्ता में सुधार होगा और यात्रियों को अधिक सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा अनुभव उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

खबर संक्षेप

गजेंद्र यादव ने किया कार्यकर्ताओं की समस्याओं का निराकरण

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय के सहयोग केंद्र के में गुरुवार को प्रदेश के शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने प्रदेशभर से पहुंचे कार्यकर्ताओं की समस्याओं, सुझावों और शिकायतों को सुना और उनके त्वरित निराकरण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सहयोग केंद्र में लगभग 400 आवेदन आए। इस दौरान 1500 से अधिक कार्यकर्ता पहुंचे। सहयोग केन्द्र में शिक्षा व्यवस्था में सुधार, स्थानीय विकास कार्यों और विभिन्न जनहितैषी योजनाओं से जुड़े मामलों को लेकर कार्यकर्ता श्री यादव से रू-ब-रू हुए। इस दौरान शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा, सहयोग केंद्र सरकार और संगठन के बीच एक मजबूत सेतु है। हमारा उद्देश्य है कि अंतिम छोर पर बैठे कार्यकर्ता और आम नागरिक की बात सीधे सरकार तक पहुँचे और उनकी समस्याओं का त्वरित व गुणवत्तापूर्ण समाधान हो। सहयोग केंद्र की इस नियमित कड़ी में गुरुवार को श्री यादव के साथ भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष जी. वेंकटेश्वर एवं प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

आईटीआई माना में तार मिस्त्री परीक्षा 15, 16 को

रायपुर। तारमिस्त्री परीक्षा 15 एवं 16 जुलाई को शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) माना रायपुर में होगी। परीक्षा सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक होगी। परीक्षा में शामिल होने वाले पात्र अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र तथा अपात्र अभ्यर्थियों के अस्वीकृति सूचना पत्र डाक के माध्यम से भेज दिए गए हैं। परीक्षा से संबंधित पात्र एवं अपात्र अभ्यर्थियों की सूची कार्यपालन अभियंता (विद्युत सुरक्षा) तथा संभागीय विद्युत निरीक्षक कार्यालय 246 आम बगीचा, सुंदर नगर रायपुर के सूचना पटल पर चस्पा है।

शिक्षा मंत्री को खून से पत्र लिखकर मांगी इच्छामृत्यु

रायपुर। छत्तीसगढ़ के दुर्ग में राज्य अतिथि शिक्षक (विद्या मितान) लगातार 9वें दिन अनिश्चितकालीन हड़ताल पर डटे हुए हैं। यह प्रदर्शन 1 जुलाई से राज्य अतिथि शिक्षक कल्याण संघ के आव्हान पर चल रहा है। कैबिनेट में कोई स्पष्ट घोषणा न होने से आक्रोशित इन शिक्षकों ने अनोखे तरीके अपनाकर विरोध जताया है।

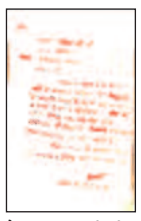

धरनास्थल पर एकत्रित अतिथि शिक्षकों ने सरकार के प्रति अपनी पीड़ा और निराशा व्यक्त करते हुए प्रदेश के शिक्षा मंत्री के नाम अपने रक्त से पत्र लिखा तथा इच्छामृत्यु की मांग की।

आंदोलनकारियों का कहना है कि पिछले लगभग दस वर्षों से वे प्रदेश के शासकीय विद्यालयों में निरंतर सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन आज भी उन्हें न तो रोजगार की सुरक्षा प्राप्त है और न ही उनके कार्य के अनुरूप सम्मानजनक वेतन मिल रहा है। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि प्रदेश सरकार और जनप्रतिनिधियों द्वारा समय-समय पर अतिथि शिक्षकों को न्याय दिलाने के आश्वासन दिए गए, इसके बावजूद कैबिनेट बैठक में इस विषय पर कोई घोषणा नहीं होने से हजारों अतिथि शिक्षकों की उम्मीदों को गहरा आघात पहुंचा है। धरना स्थल पर जिले के बड़ी संख्या में राज्य अतिथि शिक्षक उपस्थित रहे।

सूबेदार, उप निरीक्षक संवर्ग-प्लाटून कमांडर की प्रारंभिक परीक्षा 12 को

रायपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग 12 जुलाई को सूबेदार, उप निरीक्षक संवर्ग एवं प्लाटून कमांडर (प्रारंभिक) परीक्षा-2024 आयोजित करेगा। परीक्षा के लिए 22 केंद्र बनाए जाएंगे। परीक्षा सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी। कलेक्टर गौरव सिंह ने परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी पर्यवेक्षकों एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए है कि प्रत्येक परीक्षा केंद्र में पेयजल, विद्युत तथा अन्य आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि परीक्षा का संचालन पूरी पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ किया जाए तथा सभी निर्धारित दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन हो।

---

33 केवी से अधिक क्षमता वाले विद्युत संस्थापनों के लिए ही अब विद्युत निरीक्षक की एनओसी अनिवार्य

बिजली कनेक्शन और विद्युत संस्थापनाओं के नियम बदले, 33 केवी तक स्व-प्रमाणीकरण से होगा काम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने विद्युत संस्थापनाओं के निरीक्षण और विद्युत आपूर्ति शुरू करने से जुड़े नियमों में बड़ा बदलाव किया है। ऊर्जा विभाग ने स्पष्ट किया है कि अब 33 केवी से अधिक वोल्टेज वाले उपभोक्ताओं अथवा विद्युत आपूर्तिकर्ताओं की विद्युत संस्थापनाओं के निरीक्षण और परीक्षण के बाद ही विद्युत निरीक्षक द्वारा अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) जारी किया जाएगा।

राज्य सरकार ने यह आदेश विद्युत अधिनियम, 2003 तथा केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (विद्युत आपूर्ति एवं सुरक्षा संबंधी उपाय) विनियम, 2023 के तहत जारी की है। इसके साथ ही 30 मार्च 2018 को जारी पूर्व अधिसूचना को निरस्त कर दिया गया है। नई व्यवस्था प्रभावी हो गई है।

33 केवी और उससे कम क्षमता वाले संस्थापनों को राहत

नए आदेश के अनुसार 33 केवी तथा उससे कम वोल्टेज वाले विद्युत संस्थापनों में बिजली आपूर्ति शुरू करने या छह महीने अथवा उससे अधिक समय से बंद पड़े कनेक्शन को पुनः चालू करने से पहले सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण, परीक्षण और स्व-प्रमाणीकरण (सेल्फ सर्टिफिकेशन) किया जा सकेगा।इसकी जिम्मेदारी संबंधित स्वामी, विद्युत आपूर्तिकर्ता या उपभोक्ता की होगी। उन्हें निर्धारित प्रारूप (फॉर्म-1, फॉर्म-2 अथवा फॉर्म-3) में स्व-प्रमाणीकरण रिपोर्ट विद्युत निरीक्षक को प्रस्तुत करनी होगी।

चाहें तो विद्युत निरीक्षक से भी करा सकेंगे जांच

सरकार ने यह विकल्प भी रखा है कि संबंधित स्वामी, आपूर्तिकर्ता अथवा उपभोक्ता यदि चाहे तो अपने विद्युत संस्थापन का निरीक्षण एवं परीक्षण विद्युत निरीक्षक से भी करा सकता है। अर्थात स्व-प्रमाणीकरण के साथ सरकारी निरीक्षण का विकल्प भी उपलब्ध रहेगा।

इन मामलों में निरीक्षक की जांच रहेगी अनिवार्य

हालांकि सरकार ने स्पष्ट किया है कि विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 54 के अंतर्गत आने वाले सभी विद्युत संस्थापनों का निरीक्षण और परीक्षण केवल विद्युत निरीक्षक ही करेंगे। इन मामलों में स्व-प्रमाणीकरण का प्रावधान लागू नहीं होगा।क्या होगा असरनई व्यवस्था से कम वोल्टेज वाले औद्योगिक, वाणिज्यिक और अन्य विद्युत संस्थापनों में निरीक्षण संबंधी औपचारिकताएं कम होंगी तथा विद्युत आपूर्ति शुरू करने की प्रक्रिया पहले की तुलना में तेज हो सकेगी। वहीं उच्च वोल्टेज (33 केवी से अधिक) वाले संस्थापनों पर विद्युत निरीक्षक की निगरानी पूर्ववत बनी रहेगी।

उप मुख्यमंत्री ने की लोक निर्माण विभाग के कार्यों की समीक्षा

पहुंचविहीन गांवों के लिए पक्की सड़कें जिले की जरूरतों के लिए तैयार करें इस्टीमेट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने लोक निर्माण विभाग के प्रदेशभर में निर्माणाधीन और प्रस्तावित कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को प्रत्येक कार्य की प्रगति पर नजर रखने के निर्देश दिए। बैठक में अधिकारियों को मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री और मंत्रियों द्वारा अनुशंसित कार्यों के साथ ही द्रुतगामी सड़कों व पुलों, पहुंचविहीन गांवों के लिए पक्की सड़कों, जिले की जरूरतों और विधायकों द्वारा अनुशंसित कार्यों की प्राथमिकता तय कर आगामी 31 अगस्त तक नए कार्यों के इस्टीमेट भेजने कहा।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने बैठक में अधिकारियों से कहा, विभाग के अभियंताओं की दक्षता और क्षमता फील्ड पर दिखनी चाहिए। उन्होंने प्रभावी एवं परिणाममूलक कार्यों के लिए समयानुकूल नई कार्यप्रणाली और कार्य संस्कृति अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने सभी आवश्यक प्रक्रियाएं तत्परता से पूर्ण कर आगामी सितम्बर-अक्टूबर तक नए कार्यों के कार्यादेश जारी करने के निर्देश दिए, जिससे कि बरसात के तत्काल बाद पूरी गति से काम शुरू हो सके। उन्होंने कहा, कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति के बाद सभी प्रक्रियाओं को तेजी से पूर्ण कर समय पर काम प्रारंभ कराएं।

फील्ड पर काम और परिणाम दिखने चाहिए

उन्होंने कहा, फील्ड पर विभाग के काम और उनके परिणाम दिखने चाहिए। उन्होंने सड़कों और पुल-पुलियों सहित स्कूलों, कॉलेजों, ऑडिटोरियम, कार्यालयों, आवासगृहों एवं अन्य भवनों के निर्माण निर्धारित समयावधि में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, ठेकेदारों और निर्माण एजेंसियों के साथ अनुबंध में निर्धारित प्रगति सुनिश्चित कर समय-सीमा में काम पूरा कराएं। सभी परिक्षेत्रों के मुख्य अभियंताओं को भू-अर्जन के कार्यों में तेजी लाने इससे संबंधित कानूनों व नियमों की व्यापक एवं समग्र जानकारी के लिए राजस्व विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कार्यपालन अभियंताओं, अनुविभागीय अधिकारियों तथा उप अभियंताओं की कार्यशाला आयोजित करें।

काम का पुराना ढर्रा बदलें

श्री साव ने बैठक में कहा, राज्य में सड़क, पुल-पुलिया और भवन निर्माण के साथ ही सभी तरह की अधोसंरचना विकसित करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी विभाग पर है। उन्होंने इसके लिए पूरी सक्रियता और गंभीरता से काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा, काम का पुराना ढर्रा बदले। उन्होंने ठेकेदारों द्वारा किए गए कार्यों के समय पर बिल तैयार करने और उनका हर महीने भुगतान करने के निर्देश दिए।

अनुबंध के अनुसार कार्य नहीं करने वाले ठेकेदार को काली सूची में डालें

उन्होंने पहुंचविहीन गांवों तक साल भर कनेक्टीविटी बनाए रखने के लिए सड़कों और पुलों के प्रस्ताव व प्राक्कलन प्राथमिकता से तैयार कर शासन को भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को पुराने लंबित कार्यों से जुड़ी समस्याओं का तत्परता से निराकरण कर काम आगे बढ़ाने को कहा। उन्होंने अनुबंध के अनुसार कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं लाने वाले ठेकेदारों को ब्लैक-लिस्टेड करने और उनके अनुबंध टर्मिनेट करने की कार्रवाई के निर्देश दिए।

छत्तीसगढ़ में ईवी चार्जिंग नेटवर्क को मिलेगा बढ़ावा

सरकार लाएगी एकीकृत एप

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को तेजी से बढ़ाने का फैसला लिया है। अभी अलग-अलग कंपनियों के अलग-अलग एप हैं, जिससे उपभोक्ताओं को परेशानी होती है। सरकार अब राज्य स्तर पर एकीकृत प्लेटफॉर्म/एप बनाएगी। भारत सरकार भी यूनिवर्सल ईवी चार्जिंग एप ला रही है। चिप्स के जरिए ऊर्जा विभाग पहले ही पायलट एप पर काम कर रहा है।

केंद्र की पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत चार्जिंग स्टेशन लगाने पर वित्तीय सहायता और छत्तीसगढ़ ईवी नीति-2022 के प्रोत्साहन दिया जाएगा। सभी जिलों के आरटीओ, डीटीओ से कहा गया है कि अपने क्षेत्र में चार्जिंग स्टेशनों के लिए जगह चिन्हित करने और एनओसी की प्रक्रिया तेज करें। एचपीसीएल, बीपीसीएल, एलओसीएल, जिओ-बीपी के निर्माताओं ने राज्य में लगे और प्रस्तावित चार्जिंग स्टेशनों की जानकारी दी और आगे विस्तार की योजना बताया।

सचिव सह-परिवहन आयुक्त एस प्रकाश ने बताया कि ईवी चार्जिंग का मजबूत नेटवर्क बनाना और लोगों को समय पर जानकारी देना जरूरी है। इससे हरित परिवहन को बढ़ावा मिलेगा और प्रदूषण कम होगा। छत्तीसगढ़ सरकार का लक्ष्य राज्यभर में आसान और सुलभ चार्जिंग सुविधा देकर ज्यादा से ज्यादा लोगों को ईवी अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

■ अलग-अलग कंपनियों के एप में अंतर, एकीकृत पायलट एप तैयार कर रहा ऊर्जा विभाग

200 से ज्यादा चार्जिंग स्टेशन बनेंगे

प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के चार्जिंग के लिए विभिन्न स्थानों में 200 से ज्यादा स्टेशन खुलेंगे। इसके लिए नियमानुसार चार्जिंग स्टेशन खोलने वालों को प्रोत्साहित करने के लिए वित्तीय सहायता मिलेगी। नियमानुसार एनओसी और बेहतर सुविधाएं दी जाएंगी। पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने पर उपलब्ध वित्तीय सहायता एवं उसके क्रियान्वयन पर विचार विमर्श किया गया।

बैज बोले- नकटी में तोड़फोड किस भाजपा नेता के रिश्तेदार को फायदा पहुंचाने की गई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, नकटी में गरीबों का मकान तोड़ने के बाद सरकार कहती है, वहां विधायक आवास नहीं बनाया जायेगा। हाउसिंग बोर्ड के चेयरमैन अनुराग सिंहदेव, मंत्री केदार कश्यप पत्रकारवार्ता लेकर कहते हैं कि वहां पर विधायकों के लिये मकान बनाने की कोई योजना नहीं है। ओपी चौधरी का भी बयान आया है, वहां विधायक आवास नहीं बनाया जायेगा। उन्होंने कहा, राज्य सरकार के किस मंत्री को फायदा पहुंचाने तथा किस भाजपा नेता के रिश्तेदार को फायदा पहुंचाने नकटी में तोड़-फोड़ की गयी? किसकी जमीनों के भाव गरीबों के मकान के कारण नहीं बढ़ रहे थे?

अक्टूबर 2024 में आवास एवं पर्यावरण सचिव अंकित आनंद ने कलेक्टर को पत्र लिखकर षष्ठम विधानसभा के जनप्रतिनिधियों को आवास उपलब्ध करवाने के लिए नकटी में अतिक्रमण भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिये कहा था। पत्र में आयुक्त छग गृह निर्माण मंडल के पत्र का हवाला भी दिया है। यह पत्र बताता है कि उन्होंने अपनी सरकार की गलती छिपाने झूठ बोला है।

नकटी-खाद, पीएम आवास सहित कई मुद्दों पर हंगामा होने के आसार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कलेक्टोरेट स्थित रेडक्रास भवन में शुक्रवार को होने वाली जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक में ग्राम नकटी के प्रभावित परिवारों का मुद्दा, प्रधानमंत्री आवास प्लस की सूची में पात्र की जगह अपात्रों के नाम शामिल करने, खाद की किल्लत, जल जीवन मिशन अंतर्गत अधूरे कार्य सहित अन्य कई मुद्दों पर हंगामा होने के आसार हैं। विपक्षी दल के सदस्यों के साथ सत्ता पक्ष के कई सदस्य भी इन मुद्दों पर संबंधित विभागों के अधिकारियों को घेरने का प्रयास करेंगे।

विभिन्न विभागों के एजेंडों पर होगी चर्चा

जिला पंचायत रायपुर की सामान्य सभा की बैठक लगभग तीन महीनों के बाद होने जा रही है। इससे पूर्व 21 अप्रैल को बैठक हुई थी, जिसके बाद से जिला पंचायत के विपक्ष के साथ सत्ता पक्ष के सदस्य भी बैठक होने का इंतजार कर रहे थे। जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में कृषि, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, महिला एवं बाल विकास विभाग, खनिज, खाद्य, शिक्षा, स्वास्थ्य सहित अन्य विभागों से संबंधित एजेंटों पर चर्चा होगी। बैठक दोपहर करीब 12 बजे शुरू होगी। बैठक में जिला पंचायत के सीईओ कुमार बिश्वरंजन सहित सभी विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहेंगे।

सालभर में 9 गांव में ही जल जीवन मिशन के कार्य पूर्ण, 168 ग्रामों में अभी भी अधूरे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

जल जीवन मिशन योजना के पहले चरण के तहत जिले के 477 ग्रामों के हर घर में जल पहुंचाने का कार्य कछुए की चाल से भी धीमा चल रहा है। हालात यह हैं कि सालभर में बमुश्किल 9 गांव में ही कार्य पूर्ण किए जा सके हैं, वहीं 168 ग्रामों में अभी तक कार्य अधूरे हैं। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अफसरों द्वारा सालभर पहले 177 अधूरे कार्यों में 80 प्रतिशत कार्य दिसंबर 2025 तक पूरा करने का दावा किया गया था, जो गलत साबित हुआ है। इधर कार्यों के पूर्ण नहीं होने के पीछे बड़ा कारण संबंधित ठेकेदारों को फंड जारी नहीं किया जाना है। फंड के अभाव में ज्यादातर ठेकेदारों ने काम बंद कर दिया है या फिर इतनी धीमी गति से करा रहे हैं कि कई गांव में पिछले 5 से 6 साल से कार्य पूर्ण नहीं हो पाए हैं।

जिला विकास समन्वय निगरानी दिशा समिति की बैठक में प्रस्तुत किए गए आंकड़ों के अनुसार जल जीवन मिशन योजना के पहले चरण के अंतर्गत रायपुर जिले के 477 ग्रामों में पाइप लाइन के जरिए घर-घर नल कनेक्शन से पानी पहुंचाने के लिए पानी टंकी का निर्माण कराया जा रहा है। इसके लिए पाइप लाइन बिछाने से लेकर टंकी का निर्माण, हर घर नल कनेक्शन दिए जा रहे हैं। वर्ष 2019 से शुरू हुई इस योजना के बाद से अब तक जिले में 309 ग्रामों में कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं, जिनमें से 9 कार्य पिछले सालभर में पूर्ण हुए हैं।

विधानसभावार अधूरे कार्य

	स्वीकृत	पूर्ण	अधूरे
रायपुर ग्रामीण	14	8	6
धरसींवा	138	89	49
बलौदाबाजार	63	34	29
अभनपुर	122	85	37
आरंग	140	93	47

ठेकेदारों को फंड जारी नहीं होने से अटके कार्य

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग अंतर्गत जल जीवन मिशन सहित अन्य योजनाओं के अंतर्गत कार्य करने वाले ठेकेदारों का पिछले करीब ढाई साल से भुगतान अटका हुआ है। इसे लेकर ठेकेदारों ने कुछ दिन पहले ही रायपुर स्थित विभाग के मुख्यालय का घेराव कर विरोध प्रदर्शन किया था और रुके भुगतान को जारी करने की मांग की थी।

90 लाख फंड जमा, इसका भी उपयोग नहीं

बैठक में पीएचई विभाग द्वारा पेश की गई रिपोर्ट के अनुसार केंद्र एवं राज्य द्वारा जल जीवन मिशन के कार्यों के लिए जारी की गई राशि में वर्तमान में 90 लाख 7 हजार रुपए का फंड विभाग के पास है। इस राशि का अब तक व्यय नहीं हुआ है।

दिसंबर 2024 में होने थे कार्य पूर्ण

जल जीवन मिशन अंतर्गत स्वीकृत कार्यों को पूर्ण करने की अंतिम तारीख 31 दिसंबर 2024 थी। इसके बाद इसकी तारीख बढ़ाकर 31 मार्च 2026 की गई थी, लेकिन इसके बाद भी पहले चरण के कार्य पूर्ण नहीं हो पाए। लंबित कार्यों की लंबी सूची एवं योजना के विस्तार के कारण केंद्र सरकार ने अब जल जीवन मिशन 2.0 के तहत योजना के विस्तार चरण को 2028 तक मंजूरी दी है।

कांग्रेस की जांच समिति ने घटनास्थल का किया निरीक्षण

श्रीडी प्लांट हादसा सरकार की लापरवाही व सुरक्षा मानकों की अनदेखी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

उरला बेंद्री स्थित श्रीडी इनोवेशन प्लांट में तीन मजदूरों की मौत के मामले में छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा गठित जांच समिति ने गुरुवार को घटनास्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान समिति ने पाया कि प्लांट की स्थिति अत्यंत जर्जर थी।

कई मशीनें और औद्योगिक संरचनाएं पुरानी एवं असुरक्षित अवस्था में संचालित हो रही थीं। प्रथम दृष्टया सुरक्षा मानकों का पालन नहीं होना दिखाई दिया। श्रमिकों की सुरक्षा के लिए आवश्यक उपकरण, आपातकालीन व्यवस्था और सुरक्षा प्रबंधन में गंभीर कमियां सामने आईं। समिति को कुशल एवं अर्धकुशल श्रमिकों का समुचित रिकॉर्ड तथा शासन द्वारा निर्धारित नियमित निरीक्षणों के अभिलेख भी उपलब्ध नहीं मिला। जांच समिति ने निरीक्षण के दौरान घटनास्थल पर ऐसे दृश्य भी देखने की बात कही, जिनसे पूरे परिसर की वैज्ञानिक एवं फोरेंसिक जांच की आवश्यकता महसूस हुई। समिति ने मांग की कि पूरे प्लांट की गहन जांच कराई जाए, ताकि दुर्घटना से जुड़े सभी तथ्यों का निष्पक्ष रूप से पता लगाया जा सके। मृतक परिवारों से चर्चा के दौरान समिति के संज्ञान में यह भी आया कि मुआवजा वितरण में भी विसंगतियां दिखाई दे रही हैं। कुछ परिवारों को अधिक और कुछ को कम राशि दिए जाने की जानकारी मिली है।

सुरक्षा मानकों का पालन नहीं : डहरिया

जांच समिति के संयोजक पूर्व श्रम मंत्री शिवकुमार डहरिया ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा, यह हादसा भाजपा सरकार की घोर लापरवाही का जीता-जागता उदाहरण है। राज्य में लगातार औद्योगिक क्षेत्रों और कारखानों में दुर्घटनाएं हो रही हैं, लेकिन सरकार सुरक्षा मानकों का पालन करने में पूरी तरह विफल रही है।

उच्चस्तरीय जांच कराएं: बंजारे

जिलाध्यक्ष राजेन्द्र पप्पू बंजारे ने कहा, दोषी प्लांट प्रबंधन, जिम्मेदार अधिकारियों तथा जांच में दोषी पाए जाने वाले सभी व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। पूरे मामले की उच्चस्तरीय न्यायिक जांच कराई जाए।

रामगोपाल की गिरफ्तारी के विरोध में मोदी और साय का पुतला दहन करेगी कांग्रेस

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, कांग्रेस नेता रामगोपाल अग्रवाल की गिरफ्तारी के विरोध में कांग्रेस पार्टी पूरे प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का पुतला दहन करेगी। कांग्रेस संगठन ने शुक्रवार को सभी जिला मुख्यालयों में इसके खिलाफ प्रदर्शन का ऐलान किया है।

उन्होंने कहा, कांग्रेस के पूर्व कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल की एसीबी, ईओडब्ल्यू के द्वारा की गई गिरफ्तारी भाजपा सरकार का राजनैतिक षड्यंत्र है। विधानसभा चुनाव के समय से ही भाजपा केंद्रीय एजेंसियों के माध्यम से कांग्रेस के नेताओं के खिलाफ षड्यंत्र करती रही है। पहले केंद्रीय एजेंसियों को इस काम में लगाया गया, अब राज्य की जांच एजेंसी के माध्यम से षड्यंत्र किया जा रहा है। उन्होंने कहा, भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार ईडी, सीबीआई, आईटी को लगाकर कांग्रेस की छवि खराब करने के लिए कांग्रेस नेताओं के खिलाफ झूठे मुकदमे दर्ज कर परेशान करती रही है। जिन मामलो में ईडी जांच करके कुछ हासिल नहीं कर पाई, उसी में ईओडब्ल्यू से जांच करवाई जा रही है। यह मामला अदालत में नहीं टिकेगा, अदालत में भाजपा का षड्यंत्र बेनकाब होगा। पूरी मजबूती से इस षड्यंत्र के खिलाफ कानूनी और लोकतांत्रिक लड़ाई लड़ी जाएगी। हम भाजपा के इन षड्यंत्रों को जनता के बीच बेनकाब भी करेंगे।

■ कांग्रेस नेता रामगोपाल की गिरफ्तारी भाजपा का राजनैतिक षड्यंत्र : बैज

खबर संक्षेप

नवदंपति को रामचरित मानस की प्रति भेंट की

आरंग। राजा मोराध्वज आध्यात्मिक, धार्मिक एवं सामाजिक मानस संगठन, आरंग ने समाज में सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों के संवर्धन की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए विवाह समारोह में नवदंपती को उपहार स्वरूप रामचरितमानस ग्रंथ भेंट किया। बुधवार को मानस मंडली के व्याख्याकार अवध विश्वकर्मा की पुत्री के विवाह समारोह में संगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने वर-वधू को रामचरितमानस भेंट कर उनके सुखद, सफल एवं खुशहाल दांपत्य जीवन की मंगलकामनाएँ दीं। कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारी अशोक साहू, देवशरण साहू, मानस लोधी, संतोषलाल लोधी, हीरालाल साहू, ओंकार विश्वकर्मा, अवध विश्वकर्मा, लक्ष्मीनाथ साहू, विनोद गुप्ता (पूर्व शिक्षक), सीताराम यादव, गेंदलाल धीवर सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

फ्लाई ऐश ब्रिक्स उद्योग पर सरकार है संजीदा : चौधरी

सिलयारी। फ्लाई ऐश ब्रिक्स उद्योग से जुड़े विभिन्न जीएसटी एवं उद्योग हित के महत्वपूर्ण विषयों को लेकर आज भाजपा सहयोग केंद्र में छत्तीसगढ़ शासन के वित्त मंत्री ओपी चौधरी से प्रतिनिधिमंडल ने विस्तृत चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल में फ्लाई ऐश ब्रिक्स एसोसिएशन के अध्यक्ष लोकेश शर्मा, एसोसिएशन के सम्मानित पदाधिकारी एवं उद्योग से जुड़े व्यापारीगण शामिल रहे।
प्रतिनिधिमंडल ने वर्तमान जीएसटी व्यवस्था, फ्लाई ऐश ब्रिक्स उद्योग के समक्ष आ रही व्यावहारिक चुनौतियों तथा उद्योग के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर मंत्री के समक्ष अपने सुझाव एवं मांगें रखीं।बैठक के समन्वय में अशोक सिन्हा की भी सक्रिय भूमिका रही। वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता एवं सकारात्मक दृष्टिकोण से सुना तथा संबंधित विषयों पर आवश्यक पहल करते हुए उन्हें उचित स्तर पर रखने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उद्योगों के विकास, रोजगार सृजन एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विषयों पर सदैव सकारात्मक सोच के साथ कार्य कर रही है।

एल्डरमेन नियुक्ति का विरोध मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

आरंग। पालिकाओं में एल्डरमेन की परंपरा के तहत आज मनोनीत एल्डरमेन की सूची जारी कर दी गई। आरंग नगर पालिका में 05 एल्डरमेन बनाए गए हैं। आनंद मूर्ति अग्रवाल, शंकर जलक्षत्री, आशा वैष्णव, निर्मला साहू तथा सतीश सोनकर को एल्डरमेन बनाया गया है। नगरीय निकायों के चुनाव के बाद से इनकी नियुक्ति रुकी हुई थी। राज्य शासन स्तर पर नियुक्तियों की फाइल लंबे समय से कुछ बिंदुओं के कारण अटकी हुई थी। एल्डरमेन की सूची बाहर आते ही निष्ठावान कार्यकर्ताओं में नाराजगी भी सामने आ रही है। भाजपा के पार्षदों तथा कार्यकर्ताओं ने एल्डरमेन पद पर श्रीमती निर्मला साहू की नियुक्ति को लेकर मोर्चा खोल दिया है। आज समोदा प्रवास पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को ज्ञापन सौंपकर निर्मला साहू की नियुक्ति रद्द कर संशोधित सूची जारी करने की मांग की गई है।
निर्मला साहू की नियुक्ति का प्रबल विरोध : ज्ञापन में उल्लेख करते हुए कार्यकर्ताओं ने बताया कि निर्मला साहू पूर्व से कांग्रेस पार्टी में थीं और विधानसभा चुनाव 2023 के बाद तथा लोकसभा चुनाव के पहले उन्होंने भाजपा प्रवेश किया था। उन्होंने बताया कि कांग्रेस पार्टी में रहते हुए उनके ऊपर अनेक भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं तथा 80 लाख रुपये के घोटाले में दोषी भी पाई गई हैं। एल्डरमेन के रूप में नियुक्ति के बाद समाचार पत्र में प्रकाशित घोटाले का जिक्र करते हुए कांग्रेस पार्टी द्वारा सोशल मीडिया में भाजपा का हाथ, भ्रष्टाचारियों के साथ टैगलाइन के साथ इसे वायरल कर दिया गया है। ज्ञापन की प्रतिलिपि भाजपा प्रदेशाध्यक्ष किरण सिंह देव, डिप्टी सीएम अरुण साव, मंत्री गुरु खुशवंत साहेब जिला प्रभारी सुरेंद्र पाटनी जिलाध्यक्ष ग्रामीण श्याम नारंग सौंपा गया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने समोदा में 128 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों की दी सौगात

सब के सहयोग से बनाएंगे छत्तीसगढ़ को विकसित राज्य : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग/मंदिर हसौद/चंदखुरी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आरंग विधानसभा क्षेत्र के नगर पंचायत समोदा में 128 करोड़ रुपए अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि पूजन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ने ढाई वर्षों में मोदी की गारंटी के अधिकांश वादों को पूरा किया है। उन्होंने कहा कि "मोदी की गारंटी, यानी गारंटी पूरा होने की गारंटी" केवल एक नारा नहीं, बल्कि सरकार की कार्यशैली का परिचायक है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय समोदा में अहाता निर्माण, नगर पंचायत समोदा के पंचायत भवन में प्रथम तल का निर्माण, ग्राम तुलसी हाई स्कूल को हायर सेकेण्डरी स्कूल में उन्नयन करने की घोषणा की। साथ ही ग्राम पंचायत रीवा में 4 करोड़ की लागत से स्टॉप डैम का निर्माण की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 18 लाख गरीब परिवारों के लिए प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए हैं, जिनमें से 10 लाख से अधिक आवासों का निर्माण पूर्ण हो चुका है। किसानों से धान की खरीदी 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है। महतारी वंदन योजना के तहत अब तक 28 किश्तों के माध्यम से 18 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि महिलाओं के खातों में अंतरित की जा चुकी है।

- 18 लाख गरीब परिवारों के लिए प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत, जिनमें से 10 लाख का निर्माण पूर्ण

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार प्रदेश को नक्सलवाद से मुक्त बनाने की दिशा में प्रभावी कार्य कर रही है तथा बस्तर क्षेत्र में तेजी से विकास कार्य संचालित किए जा रहे हैं। बस्तर की महिलाओं को भी महतारी वंदन योजना का लाभ मिल रहा है, जिससे उनका आर्थिक सशक्तिकरण सुनिश्चित हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सुशासन के साथ-साथ स्वस्थ प्रशासन स्थापित करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।
भ्रष्टाचार और अपराध पर लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि किसानों के लिए पर्याप्त मात्रा में खाद, बीज एवं दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है, ताकि कृषि कार्यों में किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि सेवा सेतु के माध्यम से नागरिक 520 से अधिक शासकीय सेवाओं का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 की शुरुआत की गई है, जहां नागरिक अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। सभी शिकायतों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है।

ग्राम पंचायत रीवा में 4 करोड़ की लागत से स्टॉपडेम के निर्माण की घोषणा

कार्यक्रम में शामिल रहे

इस अवसर पर छ.ग. चर्म शिल्पकार विकास बोर्ड के अध्यक्ष श्री ध्रुव कुमार मिर्धा, छत्तीसगढ़ औषधि पादप बोर्ड के नवनियुक्त उपाध्यक्ष श्री अंजय शुक्ला, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री नवीन कुमार अग्रवाल, नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष डॉ. संदीप जैन, जनपद पंचायत आरंग की अध्यक्ष श्रीमती टाकेश्वरी मुरली साहू, कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्री कुमार बिश्वरंजन, एसडीएम श्रीमती अभिलाषा पैकरा सहित अन्य अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सहकारिता को बढ़ावा देने तथा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने नागरिकों से शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जनहित में लगातार नवाचार कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना की अवधि तीन माह के लिए बढ़ा दी गई है। पात्र उपभोक्ता "मोर बिजली" मोबाइल एप अथवा वेबसाइट के माध्यम से पंजीयन कर सितंबर तक इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।कौशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री व आरंग विधायक श्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि आज आरंग विधानसभा एवं नगर पंचायत समोदा को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी ने 128 करोड़ से अधिक का लोकार्पण एवं भूमि पूजन किया या हम सभी के लिए हर्ष का विषय है छत्तीसगढ़ में सुशासन की सरकार चल रही है और अब तक हमारी सरकार ने आरंग विधानसभा क्षेत्र के लिए 858 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों की सौगात दी है। हमारे मुख्यमंत्री एक विकासपुरुष के रूप में कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान के तहत आंवला का पौधारोपण किया एवं सरस्वती साइकिल योजना के तहत नवी कक्षा की छात्राओं को साइकिल वितरण किया एवं जिला प्रशासन द्वारा संचालित मिशन उत्कर्ष के तहत उत्कृष्ट विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

छात्रों ने थाने का किया भ्रमण व पुलिस प्रक्रिया से हुए रूबरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ तिल्दा-नेवरा

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर नेवरा थाना परिसर में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में शामिल होने आए शासकीय बीएनबी स्कूल एवं पीएम श्री शासकीय विद्यालय के छात्र-छात्राओं को थाना भ्रमण कराया गया।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने संवेदना कक्ष, विवेचक कक्ष, कंप्यूटर कक्ष, प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) कक्ष, पंजी कक्ष सहित थाना परिसर की विभिन्न व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। पुलिस अधिकारियों ने उन्हें थाना की कार्यप्रणाली एवं पुलिस के दायित्वों की जानकारी दी।

थाना प्रभारी रमाकांत तिवारी ने छात्र-छात्राओं से अलग-अलग समूहों में संवाद कर उन्हें कानून की मूलभूत जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासित जीवन, साइबर अपराधों से बचाव, यातायात नियमों के पालन तथा जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया।
छात्रों ने भी पुलिस व्यवस्था से जुड़े कई प्रश्न पूछे, जिनका थाना प्रभारी ने सरल भाषा में जवाब दिया।कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में कानून के प्रति जागरूकता बढ़ाना, पुलिस के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना तथा समाज में उनकी जिम्मेदार भूमिका को समझाना रहा। इस दौरान डीएसपी वीरेंद्र चतुर्वेदी ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन सबसे महत्वपूर्ण और सुनहरा दौर होता है। इस समय पूरी लगन और मेहनत से पढ़ाई करें, क्योंकि शिक्षा से बढ़कर कोई दूसरी पूंजी नहीं होती। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि अपने माता-पिता, शिक्षकों और विद्यालय का नाम रोशन करने का संकल्प लें तथा अनुशासन, ईमानदारी और अच्छे संस्कारों के साथ आगे बढ़ें। उन्होंने बच्चों को कानून का सम्मान करने, समाज के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने और अपने उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर मेहनत करने की प्रेरणा भी दी।

चूना पत्थरों के परिवहन से भारी प्रदूषण पार्षदों ने खोला मोर्चा व दी चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंदिर हसौद

मंदिर हसौद नगर पालिका परिषद के पार्षद अधिवक्ता अनुज मिश्रा एवं वार्ड नं 14 के पार्षद उत्तम साहू द्वारा मंदिर हसौद अंतर्गत संचालित पत्थर खदानो के ट्रांसपोर्टिंग के दौरान उत्पन्न भारी धूल डस्ट एवं प्रदूषण से निजात दिलाने हेतु राज्य पर्यावरण संरक्षण विभाग के सदस्य सचिव को क्षेत्रीय पार्षद ने लिखित शिकायत प्रेषित कर कार्यवाही की मांग की है, समाधान न होने कि स्थिति में चक्का जाम कर आंदोलन कि चेतावनी दी गई है।

- मंदिर हसौद चूना पत्थर खदान के खिलाफ क्षेत्रीय पार्षदों ने की शिकायत

नगर पालिका मंदिर हसौद क्षेत्र में संचालित चूना पत्थर खदानों से भारी वाहनों द्वारा अवैध परिवहन,जिससे रहवासी क्षेत्र में अत्यधिक धूल-डस्ट एवं प्रदूषण फैलाने व नियमों के उल्लंघन के संबंध में सविस्तार लेख कर पार्षदों ने अपने शिकायत पत्र में लेख किया है कि मंदिर हसौद निकाय क्षेत्र के वार्ड नं 12 एवं 14 (नकटी एवं माना मार्ग) में स्थापित चूना पत्थर खदानो का संचालन किया जा रहा है।
इन खदानों से गिट्टी लोड करके भारी वाहनों (हाईवा, ट्रकों) का आवागमन लगातार रहवासी क्षेत्रों के बीच से हो रहा है। भारी वाहनों के लगातार चलने से पूरे मार्ग में अत्यधिक धूल-डस्ट उड़ रही है, जिससे भयंकर वायु प्रदूषण फैल रहा है। इसके कारण स्थानीय रहवासियों बुजुर्गों और बच्चों को सांस लेने में गंभीर परेशानी हो रही है।
खदान संचालकों द्वारा पर्यावरण नियमों का घोर उल्लंघन किया जा रहा है इससे मार्ग में धूल को उड़ने से रोकने के लिए पानी का छिड़काव नहीं किया जा रहा है। धूल को रोकने के लिए सड़क के दोनों तरफ कोई वृक्षारोपण नहीं किया गया है। भारी वाहनों से बिना तिरपाल ढके सामग्री का परिवहन किया जाता है, जिससे मार्ग में गिट्टी और धूल गिरती रहती है।

गिरिजा इंडेन गैस एजेंसी सील 20 हजार उपभोक्ता संकट में

आरंग। आरंग स्थित गिरिजा इंडेन गैस एजेंसी को इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अधिकारियों द्वारा प्रशासनिक कार्रवाई के तहत सील कर दिया गया है। एजेंसी के संचालन को लेकर लगातार मिल रही शिकायतों और कथित अनियमितताओं के बाद की गई इस कार्रवाई से क्षेत्र के लगभग 20 हजार एलपीजी उपभोक्ताओं के सामने घरेलू गैस की उपलब्धता को लेकर गंभीर चिंता पैदा हो गई है। कार्रवाई के बाद सबसे बड़ा सवाल यह है कि गैस वितरण की वैकल्पिक व्यवस्था कब और कैसे होगी, ताकि आम उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना न करना पड़े। इधर, कई उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया है कि पिछले कुछ दिनों से एजेंसी के कर्मचारी उन्हें फोन पर और कार्यालय बुलाकर डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड ले रहे थे और बदले में एक पर्ची देकर यह आश्वासन दे रहे थे कि इस पर्ची के आधार पर आपको गैस सिलेंडर मिल जाएगा। हालांकि, शिकायत करने वाले कई उपभोक्ताओं का कहना है कि उन्हें अब तक सिलेंडर की डिलीवरी नहीं मिली है।

वैकल्पिक व्यवस्था की मांग

यदि किसी उपभोक्ता के नाम पर सिस्टम में सिलेंडर की डिलीवरी दर्ज हो गई हो, लेकिन उसे वास्तविक रूप से सिलेंडर प्राप्त न हुआ हो, तो ऐसे मामलों का समाधान कैसे होगा, यह बड़ा सवाल बन गया है। एजेंसी के कर्मचारियों की इस कृत्य से लोगों में भारी आक्रोश है। उपभोक्ताओं ने एजेंसी संबंधित उन कर्मचारियों पर आपराधिक मामला दर्ज कराने की बात भी कही है। आरंग में गिरिजा इंडेन गैस एजेंसी को लेकर उपभोक्ताओं की शिकायतें पहले भी समय-समय पर सामने आती रही हैं। ऐसे में एजेंसी को सील करने की कार्रवाई के साथ-साथ प्रभावित उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी आवश्यक माना जा रहा है। अब उपभोक्ताओं की मांग है कि प्रशासन और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन स्पष्ट करें कि जिन लोगों से डीएसी लेकर केवल पर्ची दी गई और गैस सिलेंडर की आपूर्ति नहीं हुई, उनके लिए क्या व्यवस्था की जाएगी। साथ ही, क्षेत्र के लगभग 20 हजार उपभोक्ताओं को गैस की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए शीघ्र वैकल्पिक व्यवस्था की जाए।

नकटी बेदखली के विरोध में थाने का किया घेराव

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिलयारी

ग्राम सम्मानपुर-नकटी में प्रभावित गरीब परिवारों के घरों पर हुई कथित अवैध कार्रवाई के विरोध में आज जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, प्रभावित परिवारों एवं कांग्रेस पदाधिकारियों-कार्यकर्ताओं ने माना थाना का घेराव किया। हजारों की संख्या में उपस्थित लोगों ने थाना परिसर में शांतिपूर्ण ढंग से बैठकर जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि प्रभावित परिवारों के साथ हुए अन्याय की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों एवं संबंधित जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाए। साथ ही प्रभावित परिवारों को न्याय, मुआवजा एवं पुनर्वास उपलब्ध कराया जाए।
काफी देर तक चले प्रदर्शन और चर्चा के बाद पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारियों ने प्रतिनिधिमंडल से चर्चा की तथा आश्वासन दिया कि आवेदन पर आज से आवश्यक विधिक प्रक्रिया प्रारंभ करते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इस आश्वासन के बाद प्रदर्शन समाप्त किया गया।

लोकार्पण से पहले ही जर्जर हुआ 74 लाख का नवीन तहसील भवन, दीवारों में पड़ी दरारें

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंदिर हसौद

नगर पालिका परिषद मंदिर हसौद में तत्कालीन नगरीय निकाय प्रशासन व श्रम मंत्री डॉ. शिव कुमार डहरिया के द्वारा आरंग विधानसभा को दो नवीन तहसील कार्यालय का सौगात दिए और जिसमें मंदिर हसौद तहसील में 65 से अधिक गांव के किसान अपना राजस्व काम लेकर पहुंचते हैं। जहां लोगों की सुविधाओं को देखते हुए तत्कालीन कैबिनेट मंत्री का डॉ शिवकुमार डहरिया द्वारा कुमार मंदिर हसौद को नवीन तहसील कार्यालय भवन निर्माण के लिए 74 लाख रुपए का राशि स्वीकृत किया। जिसका निर्माण एजेंसी हाउसिंग बोर्ड रहे जिनके भूमि पूजन 3 साल पहले हुई। वही भवन का निर्माण हुए लगभग एक बीत गया। लेकिन उद्घाटन का मुहूर्त अब कहीं जाकर बन रहा। वही निर्माण एजेंसी हाउसिंग बोर्ड द्वारा भवन निर्माण में गुणवत्ता का जरा भी ध्यान नहीं दिया गया। जिसके चलते भवन लोकार्पण के पहले ही भवन में दरारें पड़ गई है, जहां भवन में जगह-जगह दरारें स्पष्ट दिखाई पड़ रहा है। जिससे स्पष्ट होता है कि भवन के निर्माण में गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया गया और आम जनता के खून पसीने की कमाई सरकार को दिया गया टैक्स के पैसा का दुरुपयोग निर्माण एजेंसी और ठेकेदार द्वारा किया गया जो सीधे तौर पर आम जनता की पैसे का दुरुपयोग है जहां लाखों रुपए के भ्रष्टाचार होने की आशंका है, जिसकी जांच कर निर्माण एजेंसी और संलिप्त अधिकारी पर कार्यवाही किया जाए तथा भवन का मूल्यांकन और सत्यापन कर अप्रूवल दिया जाना संदेश के घेरे में आता है।

पौधे लगाकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया व पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

सरदार पटेल की जयंती पर पुलिस ने पौधारोपण कर दिया एकता का संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ तिल्दा-नेवरा

पुलिस केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि समाज के प्रति अपनी नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारियों का भी पूरी निष्ठा से निर्वहन करती है। पर्यावरण संरक्षण भी इसी जिम्मेदारी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसी सोच को साकार करते हुए तिल्दा-नेवरा थाना परिसर में देश के लौह पुरुष, भारत की एकता और अखंडता के शिल्पकार सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वीं जयंती के अवसर पर भव्य पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
कार्यक्रम में डीएस पीवीरेंद्र चतुर्वेदी .थाना प्रभारी एवं थाना स्टाफ के साथ पूर्व सैनिक स्कूल के छात्र-छात्राओं, विद्यालय के प्राचार्य राजेश चांदनी, थाना से सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों, पार्षद रानी साहू, सौरभ साहू सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी ने पौधे लगाकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

इस मौके पर डीएसपी वीरेंद्र चतुर्वेदी ने कहा आज देश के लौह पुरुष, भारत की एकता और अखंडता के प्रतीक सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के पावन अवसर पर हम सभी इस पौधारोपण अभियान में एकत्रित हुए हैं। यह केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का संकल्प है। आज पर्यावरण संरक्षण हम सभी की सबसे बड़ी जिम्मेदारी बन गई है। बढ़ता प्रदूषण, घटते वन और बदलता जलवायु संतुलन हमें यह संदेश दे रहे हैं कि यदि हमने अभी से प्रकृति की रक्षा नहीं की, तो आने वाली पीढ़ियों को गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।
मैं सभी छात्र-छात्राओं से विशेष रूप से कहना चाहता हूं कि पौधा लगाना एक अच्छी शुरुआत है, लेकिन उससे भी बड़ा कार्य उस पौधे की देखभाल करना है। यदि हर व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसे पेड़ बनने तक सुरक्षित रखने का संकल्प ले, तो हमारा शहर, हमारा प्रदेश और हमारा देश हराभरा बन सकता है। पुलिस केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने का ही कार्य नहीं करती, बल्कि समाज के प्रति अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों का भी पूरी निष्ठा से निर्वहन करती है।
पर्यावरण संरक्षण भी हमारी इसी जिम्मेदारी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। टीआई रमाकांत तिवारी ने कहा मैं सभी जनप्रतिनिधियों, पूर्व पुलिस अधिकारियों, विद्यालय परिवार, शिक्षकों, छात्र-छात्राओं और थाना स्टाफ का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं कि आप सभी ने इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लिया। आइए, आज हम सभी यह संकल्प लें कि लगाए गए प्रत्येक पौधे की नियमित देखभाल करेंगे और अधिक से अधिक लोगों को पौधारोपण के लिए प्रेरित करेंगे।आइए, सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर हम सब मिलकर एक हरित, स्वच्छ और स्वस्थ भारत के निर्माण का संकल्प लें।

प्रेमा साईं महराज को मिला राष्ट्रीय सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ अभनपुर

भारत निर्माण कॉन्क्लेव-2026 में अभनपुर के निकट मे स्थित माँ मातंगी दिव्य धाम के पीठाधीश्वर डॉ. प्रेमा साईं महाराज को केंद्रीय सडक परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किया। इस अवसर पर सुदर्शन न्यूज के सीएमडी एवं एडिटर इन चीफ सुरेश चव्हाणके ने भी उनके सामाजिक एवं आध्यात्मिक कार्यों की सराहना की।
सम्मान के बाद डॉ. प्रेमा साईं जी महाराज ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल, केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह, केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव, केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री राज भूषण चौधरी, केंद्रीय राज्य मंत्री बी.एल. वर्मा, सांसद मनोज तिवारी, राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी तथा भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन से शिष्टाचार भेंट कर माँ मातंगी दिव्य धाम की धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों की जानकारी दी और आगामी माँ कोत्रावै प्रतिमा स्थापना महोत्सव में आमंत्रित किया।

इस दौरान धाम की आधिकारिक पुस्तिका भी भेंट की गई। माँ मातंगी दिव्य धाम की ओर से जारी जानकारी के अनुसार डॉ. प्रेमा साई जी महाराज लंबे समय से बस्तर, सुकमा, बीजापुर और नारायणपुर के वनांचल क्षेत्रों में सेवा, सनातन जागरण और जनजातीय संस्कृति के संरक्षण के लिए कार्य कर रहे हैं। संस्था के अनुसार उनके मार्गदर्शन में चलाए गए घर वापसी अभियान के माध्यम से लगभग 1025 से अधिक परिवार अपनी पारंपरिक सांस्कृतिक एवं धार्मिक पहचान से पुनः जुड़े हैं। इसके अलावा दिव्य दरबार, हिन्दू जगाओ शोभायात्राएं, जरूरतमंदों की सहायता तथा नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा बलों के जवानों के सम्मान जैसे कार्य भी लगातार किए जा रहे हैं।

खबर संक्षेप

जोहार जगन्नाथ कार्यक्रम का उपमुख्यमंत्री साव ने किया शुभारंभ

रायपुर। भगवान श्री जगन्नाथ की रथयात्रा के अवसर पर कोतवाली चौक स्थित अनोपचंद तिलोकचंद ज्वेलर्स (एटी पैलेस) में जोहार जगन्नाथ कार्यक्रम का शुभारंभ उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने मनोकामना रथ को हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि जोहार जगन्नाथ केवल एक आयोजन ही नहीं, बल्कि भगवान श्री जगन्नाथ की भक्ति, आस्था और सेवा का पावन अभियान है। मनोकामना रथ के माध्यम से श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं प्रभु के श्रीचरणों तक पहुंचेंगी तथा श्री जगन्नाथ पुरी धाम से लाया गया महाप्रसाद जन-जन तक पहुंचेगा। अनुष्ठान में चेयरमैन तिलोकचंद बरड़िया एवं उनकी धर्मपत्नी मंजू बरड़िया, समस्त बरड़िया परिवार तथा अनोपचंद तिलोकचंद ज्वेलर्स के सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों ने श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना एवं महाआरती कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की।

छग सिंधी पंचायत का भजन जैमिंग कार्यक्रम कल

रायपुर। पूज्य छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत महिला विंग द्वारा 12 जुलाई को अटल बिहारी वाजपेयी ऑडिटोरियम में समय शाम 4 बजे से भव्य भक्तिमय भजन जैमिंग का आयोजन होने जा रहा है, जिसमें महिलाओं के लिए तंबोला भी रखा गया है। पूज्य छग सिंधी पंचायत के अध्यक्ष महेश दरयानी एवं सह प्रवक्ता गौरव मंधानी ने बताया कि यह आयोजन पूर्ण रूप में भक्तिमय होगा, जिसमें सिंधी समाज की महिलाएं एवं बच्चे बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। जिसमें प्रतिभागियों को अनेकों उपहार पंचायत के तरफ से भेंट दिए जाएंगे। सिंधी पंचायत कार्यालय में कार्यक्रम का पोस्टर विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर बाबा मुरलीधर उदासी, महिला विंग अध्यक्ष दीक्षा रामानी, कार्यक्रम संरक्षक जया नेभानी, जूही दरयानी, सीमा नचरानी, चंचल बजाज, कनक खेमानी, तनीषा नांज्यानी, हेमा अमेसर आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

निधन

अनिल अंबवानी

रायपुर। बसंत पार्क महावीर नगर निवासी अनिल अंबवानी का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 9 जुलाई को तेलीबांधा मुक्तिधाम में किया गया। वे चंदूलाल अंबवानी के पुत्र और हार्दिक अंबवानी के पिता थे।

अनिल कुमार बागड़ी

रायपुर। अवेन्यू 144 निवासी अनिल कुमार बागड़ी का 9 जुलाई को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 10 जुलाई को सुबह 10.30 बजे निवास स्थान से मारवाड़ी श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे राहुल, जय के पिता और सुनील, शरद, सतीश, मनोज, राजा के भाई थे।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक, रायपुर-16 तहसील व जिला रायपुर

:: नक्शा जांच सूचना ::

दिनांक 08.07.2026

प्रति,

1. राजीव पाण्डेय पिता महादेव पता पाण्डेय रायपुर
2. पीलाराम ठाकुर पिता बिसाहू राम ठाकुर पता टेकारी
3. नेतराम ठाकुर पिता बिसाहू राम ठाकुर पता टेकारी

विषयः- आवेदक/आवेदिका नेतराम ठाकुर पिता/पति बिसाहू राम ठाकुर निवासी द्वारा आवेदित ग्राम टेकारी प.ह.नं. 23 रा.नि.मं. रायपुर-16 स्थित भूमि खसरा नंबर 834/1, 834/2, 834/3 क्षेत्रफल क्रमशः 0.6560, 0.6560, 0.652 हेक्टेयर के जांच में उपस्थित होने के संबंध में।

संदर्भः- न्यायालय अति. / नायब तहसीलदार धरसींवा के नक्शा जांच ओदश / ज्ञापन क्र. ....वा/ अति./ ना. तह./ 2026 धरसींवा दिनांक 12.06.2026 के संदर्भ में।

उपरोक्त विषयांकित भूमि का जांच न्यायालय अति./ ना. तहसीलदार धरसींवा के संदर्भित ज्ञापन के परिपालन में दिनांक 16.07.2026 को पूर्वान्ह/अपरान्ह 11 बजे से मेरे द्वारा हल्का पटवारी के सहयोग से किये जाने हेतु नियत है।

क्योंकि आप उक्त खसरा नंबर की भूमि के संलग्न भूमि धारक/बटांकन धारी है। अतः उल्लेखित नियत दिनांक को पटवारी हल्का नंबर 23 के बरौदा स्थित कार्यालय में स्वयं या अपने अभिभाषक/ वैध अभिकर्ता के माध्यम से अपनी भूमि के स्वत्व संबंधी आवश्यक दस्तावेज के साथ उपस्थित होकर दस्तावेज के अनुरूप आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है।

सूचनोपरांत अनुपस्थिति की स्थिति में भी जांच कार्य किया जावेगा एवं पश्चात की गई आपत्ति अमान्य होगा। अतः सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक
रा.नि.म. रायपुर-16 (सारागांव)

डूमरतराई थोक बाजार फेज 2 में 146 दुकानें और 8 हॉल, 136 बिकी, 10 दुकानें और 8 हॉल खाली

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल द्वारा डूमरतराई में नवनिर्मित सरदार वल्लभभाई पटेल थोक बाजार फेज 2 में थोक कारोबारियों की सुविधा के लिए 154 भव्य दुकानें और आफिस के लिए बड़े आकार का हॉल निर्माण कराया गया है। इस नवनिर्मित परिसर की अलग-अलग श्रेणी की 136 दुकानों को शहर के गुढ़ियारी सहित अन्य इलाकों के थोक व्यापारियों ने हाथों-हाथ क्रय कर लिया है, जबकि 10 दुकानें और 8 हॉल आफिस 1 व आफिस 2 श्रेणी के रिक्त हैं। सूत्रों के मुताबिक डूमतराई थोक बाजार फेज 2 के इन दुकानों को 51 लाख से लेकर 2 करोड़ 15 लाख में होलसेल कारोबारियों ने क्रय कर यहां व्यवसाय करने की तैयारी शुरू कर दी है।

दरअसल, राजधानी रायपुर के भीतर बढ़ते हुए ट्रैफिक के दबाव और जगह की कमी को देखते हुए छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल ने डूमतराई में 2 फेज में आधुनिक सुविधाओं से सज्जित सरदार वल्लभ भाई पटेल व्यवसायिक परिसर का निर्माण कराया है। इसका लोकार्पण 8 जुलाई को प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मुख्य आतिथ्य में किया गया। नए कलेवर के साथ 36 एकड़ क्षेत्र में विकसित आधुनिक व्यावसायिक परिसर में पर्याप्त पार्किंग की सुविधा और राष्ट्रीय राजमार्ग -30 से कनेक्टिविटी के साथ ही आधुनिक व्यापारी सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

होलसेल ड्राइफ्रूट, किराना, चायपत्ती, इलेक्ट्रानिक, डेली नीड्स के कारोबारी सजाएंगे कारोबार

खास बातें

- 51 लाख से लेकर 2 करोड़ 15 लाख की दुकानें
- अलग-अलग श्रेणी की हैं दुकानें, आफिस के लिए बड़े हॉल भी उपलब्ध

ग्राउंड फ्लोर के साथ 4-4 मंजिल की संरचनाएं

इस थोक बाजार में ग्राउंड फ्लोर के साथ 4-4 मंजिल की संरचनाएं हैं। बड़े अनाज व्यापारी, किराने के थोक डीलर, दाल-चावल के मिलर्स के आउटलेट सहित अन्य आवश्यक वस्तु सेवाएं वाले थोक कारोबारी दुकान का कब्जा मिलने के बाद वे अपने दुकानों की साज-सज्जा, बिजली, फर्नीचर के साथ ही पुराना स्टॉक मॉल शिफ्ट करने लगे हुए हैं। परिसर में ड्रायफ्रूट, किराना, चायपत्ती, अनाज, प्लास्टिक, डेली नीडस से जुड़े होलसेलर और इलेक्ट्रानिक्स से जुड़े कारोबारियों ने दुकानें ली है। जल्द ही डूमतराई क्षेत्र का नवनिर्मित सरदार वल्लभाई पटेल थोक बाजार फेज 2 परिसर व्यापारिक सुविधाओं के साथ शुरू हो जाएगा।

अर्जुन नगर में छोटे-छोटे चेंबर बनाकर नाला डायवर्ट करने के निर्देश

महापौर मीनल ने अर्जुन नगर, दुर्गा नगर गंगा नगर के जलभराव क्षेत्रों का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

महापौर मीनल चौबे ने गुरुवार को समता कालोनी मार्ग से श्याम खाटू मंदिर मार्ग होकर अर्जुन नगर बस्ती पहुंचकर जलभराव क्षेत्र का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। इस दौरान अर्जुन नगर में नाले की सफाई करवाकर रेत की बोरी बिछाकर छोटे छोटे चेंबर बनाकर गंदे पानी का निकास करवाने की हिदायत दी। महापौर ने जोन 7 के अधिकारियों से कहा कि जरूरत पड़ने पर नाले को डायवर्ट कर गंदे पानी का निकास सुनिश्चित करें। इसी तरह पंडरी में गंगा नगर एवं दुर्गा नगर बस्ती में पहुंचकर जलभराव क्षेत्र का प्रत्यक्ष निरीक्षण कर नाले की सफाई करवाने निर्देश दिए। पंडरी कपड़ा मार्केट क्षेत्र में नाली पर बनाए गए अवैध पाटों को तोड़ने सफाई कराने की हिदायत दी।

- पंडरी कपड़ा मार्केट में नाली पर अवैध पाटों से जलभराव
- नाला सफाई कराने दिए निर्देश

दरअसल, नगर निगम की विशेष सामान्य सभा में जलभराव को लेकर वार्ड पार्षदों द्वारा आम जनता को हो रही परेशानी बताए जाने पर महापौर मीनल चौबे गुरुवार को जोन 7 और जोन 2 के जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का प्रत्यक्ष निरीक्षण करने पहुंचीं। इस दौरान उनके साथ स्वामी आत्मानंद वार्ड पार्षद आनंद अग्रवाल, जोन 7 कार्यपालन अभियंता सुशील मोडेस्टस और जोन 7 के कर्मचारी उपस्थित रहे। समता कालोनी मार्ग से खाटू श्याम मंदिर मार्ग होकर वे अर्जुन नगर बस्ती पहुंचीं, जहां नाले के कारण जलभराव की समस्या से रहवासी परेशान हैं। इसे देखते हुए महापौर मीनल चौबे ने अर्जुननगर में नाले की सफाई करवाने जोन 7 के अधिकारियों को तत्काल निर्देश दिए। यही नहीं, रेत की बोरी बिछाकर छोटे-छोटे चेंबर बनाकर गंदे पानी के सुगम निकास की व्यवस्था करवाने की जरूरत बताई। समता कालोनी मार्ग में दोबारा जलभराव की स्थिति न बने, इसके लिए आवश्यक होने पर नाले को डायवर्ट कर गंदे पानी के निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करने अधिकारियों को हिदायत दी।

महापौर मीनल चौबे ने जोन 2 के शहीद हेमूकालाणी वार्ड स्थित पंडरी के गंगा नगर,दुर्गा नगर बस्ती पहुंचकर जलभराव क्षेत्र का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। इस दौरान वार्ड पार्षद कृतिका जैन, सामाजिक कार्यकर्त्ता तुषार चोपड़ा, जोन 2 कमिश्नर संतोष पांडे, जोन स्वास्थ्य अधिकारी रवि लावनिया मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान गंगा नगर एवं दुर्गा नगर में नाले की सफाई पर विशेष ध्यान दिए जाने जोन के अधिकारियों को निर्देश दिये।पंडरी कपडा बाजार की सफाई व्यवस्था निरीक्षण के दौरान यह पाया कि नाली पर अवैध कब्जा पाटे बनाने से सफाई प्रभावित हुई है। ऐसे में अवैध पाटों को तोड़कर बाजार क्षेत्र की सफाई कराने की हिदायत जोन के अधिकारी को दी गई।

सालभर में प्रदेश में बिके सात लाख चारपहिया वाहन, नए सत्र की तिमाही में रफ्तार धीमी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश में एक साल में करीब साढ़े सात लाख वाहन बिके हैं। यह पिछले सत्र से ज्यादा हैं। इसमें सबसे ज्यादा करीब पौने छह लाख दोपहिया वाहन हैं। जहां तक कारों का सवाल है, तो इसकी बिक्री एक लाख तक नहीं पहुंच सकी है। चारपहिया वाहन 81 लाख बिके हैं। लेकिन नए सत्र की पहली तिमाही में रफ्तार धीमी है। वैसे जून में वाहन बिक्री में इजाफा हुआ है। आने वाले तिमाही में बिक्री की रफ्तार तेज होने की संभावना है।

- नई तिमाही में बिक्री की रफ्तार में इजाफा होने की संभावना

अपने राज्य छत्तीसगढ़ में साल दर साल वाहनों की बिक्री में इजाफा हो रहा है। पहले यहां पर साल में पांच से छह लाख बिकते थे, लेकिन अब इसका रफ्तार लगातार बढ़ते जा रही है। अब तो वाहनों की बिक्री सात लाख के पार हो गई है। जहां 2024-25 में बिक्री सात लाख से पार होकर 7 लाख 19 हजार वाहन बिके, वहीं 2025-26 में इसकी रफ्तार और तेज हुई और मार्च में समाप्त हुए सत्र में 7 लाख 44 हजार 242 वाहन बिके हैं।

नए सत्र में कम बिक्री

नए सत्र के अप्रैल से लेकर जून तक की पहली तिमाही में वाहनों की बिक्री की रफ्तार कुछ कम है। इसके पीछे का बड़ा कारण अमेरिका, इजरायल और ईरान का युद्ध है। तेल संकट को देखते हुए वाहनों की बिक्री प्रभावित हुई है। तीन माह में प्रदेश में एक लाख 53 हजार 381 वाहन बिके हैं। यह बीते सत्र से दो फीसदी कम हैं। वैसे मई की तुलना में जून में बिक्री की रफ्तार में इजाफा हुआ है। इस बार जून में करीब 54 हजार वाहन बिके है जो मई से करीब साढ़े तीन हजार ज्यादा है।

बढ़ेगी रफ्तार

अब स्कूल और कॉलेज खुल गए हैं तो जुलाई से लेकर सितंबर की तिमाही में बिक्री की रफ्तार बढ़ेगी।
- **विवेक गर्ग,** अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ फाडा

दोपहिया वाहनों का ज्यादा क्रेज

अपने राज्य में सबसे ज्यादा दोपहिया वाहनों की क्रेज है। हर माह इसकी करीब 40 हजार की बिक्री होती है। ऐसे में साल भर में दोपहिया वाहन पांच लाख के पार हो जाते हैं। बीते सत्र में पांच 67 हजार 853 दोपहिया वाहन बिके हैं। यह पिछले सत्र से करीब चार फीसदी ज्यादा हैं। जहां तक चारपहिया वाहनों का सवाल है तो इस सत्र में 81 हजार 89 वाहन बिके हैं। यह बीते सत्र से करीब सात फीसदी ज्यादा हैं। इसके अलावा साल भर में 47 हजार ट्रक, 16 हजार तिपहिया और 29 हजार कमर्शियल वाहन बिके हैं। कुल मिलाकर साल भर के सत्र में 7 लाख 44 हजार 242 वाहन बिके हैं जो बीते सत्र से करीब चार फीसदी ज्यादा हैं।

बालक-बालिका तैराकी प्रतियोगिता आज

रायपुर। रायपुर डिस्ट्रिक्ट स्वीमिंग एसोसिएशन द्वारा एक दिवसीय 10 जुलाई को जिला स्तरीय संब जूनियर, जूनियर बालक-बालिका तैराकी स्पर्धा का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम जीई रोड स्थित अंतर्राष्ट्रीय स्वीमिंग पूल में किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में 11 से 18 वर्ष तक के प्रतियोगी शामिल होंगे। यह जानकारी संस्था के अध्यक्ष संजय शुक्ला ने देते हुए बताया कि चयनित तैराक बिलासपुर में दो दिवसीय 22 से 23 जुलाई को राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में रायपुर टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे।

मुख्य सचिव ने ली राज्य श्रम संहिता नियमों संबंधी बैठक

रायपुर। प्रदेश के मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ राज्य श्रम संहिता नियमों संबंधी बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य श्रम संहिता नियमों की अधिसूचना की स्थिति, श्रम विभाग द्वारा केंद्र का औद्योगिक संबंध (छत्तीसगढ़) नियम 2026 के प्रारूप पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने श्रम विभाग के अधिकारियों को संहिता अंतर्गत राज्य नियम शीघ्र अधिसूचित करने के निर्देश दिए है। उन्होंने संहिता के क्रियान्वयन हेतु विभागीय पोर्टल में आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। बैठक में श्रम एवं रोजगार मंत्रालय भारत सरकार के संयुक्त सचिव विशेष रूप से मौजूद थे। बैठक में संयुक्त सचिव डॉ. महेंद्र कुमार ने बताया कि भारत सरकार द्वारा 29 श्रम कानूनों के स्थान पर 4 श्रम संहिताओं क्रमशः मजदूरी संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता एवं उपजीविकाजन्य सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यदशाएं संहिता को लागू किए गए हैं। संहिताओं के प्रभावशील से नियोजकों को विभिन्न श्रम अधिनियमों के अनुपालन के भार में कमी आएगी। मुख्य सचिव ने 4 श्रम संहिताओं के क्रियान्वयन की स्थिति की श्रम विभाग के अधिकारियों से जानकारी ली। इस संबंध में श्रम विभाग के सचिव हिमशिखर गुप्ता ने बताया कि मजदूरी संहिता एवं औद्योगिक संबंध संहिता के छत्तीसगढ़ नियम दावा आपत्ति निराकरण उपरांत अंतिम प्रकाशन हेतु विधि विभाग को परिमार्जन हेतु प्रेषित कर दिया गया है।

पेज 11 के शेष...

500 विद्यार्थियों का स्कूल...

प्रबंधन ने हटा दिया है, लेकिन किसी तरह का सुधार कार्य अथवा वैकल्पिक व्यवस्था नहीं होने के कारण छात्र अब भी खतरे में रहकर ही पढ़ाई कर रहे हैं। विद्यालय में पहली से बारहवीं कक्षा तक लगभग 500 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। ना केवल छत बल्कि दीवारों की स्थिति भी अत्यंत खराब है। शाला प्रबंधन अध्ययन कार्य से संबंधित किसी प्रकार का नोटिस बोर्ड, मानचित्र अथवा अन्य सामग्री दीवारों पर चाहकर भी नहीं लगा पाता है। सीलन के कारण या तो वे खराब हो जाती हैं अथवा दीवारों से ही गिर जाती है। नमी के कारण अपेक्षाकृत कीड़े-मकोड़े भी यहां अधिक हैं।

अब संविदा, प्लेसमेंट और ...

इससे स्थानीय निकायों और अन्य विभागों में कार्यरत बड़ी संख्या में कर्मचारियों को भी सरकारी प्रशिक्षण मॉड्यूल, क्षमता निर्माण कार्यक्रमों और ऑनलाइन सीखने के अवसर उपलब्ध होंगे। सरकार का उद्देश्य सभी श्रेणी के कर्मचारियों को समान रूप से दक्ष बनाकर प्रशासनिक कार्यकुशलता और सेवा वितरण की गुणवत्ता में सुधार लाना है।

जीमेल आईडी ही होगी मान्यरः

सरकार ने एसओपी में स्पष्ट किया है कि संविदा, प्लेसमेंट और संस्था कर्मचारियों के ऑनबोर्डिंग के लिए केवल जीमेल आईडी का उपयोग किया जाएगा। इस प्रक्रिया में एनआईसी अथवा अन्य सरकारी डोमेन की ई-मेल आईडी का उपयोग नहीं किया जाएगा। विभागों को यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि सभी जीमेल आईडी वैध हों तथा कर्मचारी पंजीयन के समय सही व्यक्तिगत और कार्यालयीन जानकारी दर्ज करें।

राजधानी सबसे गर्म, बारिश...

छत्तीसगढ़ में मुख्यतः वर्षा की संभावना है। बस्तर संभाग के जिलों में भौगोलिक कारण से वर्षा होने की संभावना है। गुरुवार को दक्षिण छग के अनेक स्थानों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। उत्तर व मध्य छत्तीसगढ़ के अनेक स्थानों में हल्की बारिश ही दर्ज की गई। प्रदेश में बारिश अब भी सामान्य से 18% कम है।गंगालूर में 3, दंतेवाड़ा, करपावंड, पेण्ड्रा रोड, गीदम, लोहंडीगुडा व सकोला में 2, रेंगाखार कला, बस्तर, मरवाही, धानोरा, डोंगरगढ़, धबहारपुर व भैरमगढ़ में 1-1 सेमी बारिश दर्ज की गई है।

बिजनेस साइट

छत्तीसगढ़ का पहला पूर्ण एनएबीएच मान्यता प्राप्त आयुर्वेद अस्पताल बना डॉ. अभिमन्यु हॉस्पिटल

रायपुर। डॉ. अभिमन्यु आयुर्वेद मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल को नेशनल एक्रिडिटेशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल्स एंड हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स (एनएबीएच) की पूर्ण मान्यता (फुल एक्रिडिटेशन) प्राप्त हुई है। इसके साथ ही यह अस्पताल प्रदेश का पहला पूर्ण एनएबीएच मान्यता प्राप्त आयुर्वेद मल्टीस्पेशियलिटी अस्पताल बन गया है। डॉ. अभिमन्यु आयुर्वेद मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में पंचकर्म, दर्द प्रबंधन, स्त्री एवं प्रसूति रोग, बाल रोग, त्वचा रोग, पाइल्स सहित विभिन्न आयुर्वेदिक विशेषज्ञ सेवाएं आधुनिक गुणवत्ता मानकों के अनुरूप उपलब्ध कराई जा रही हैं। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, यह मान्यता गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाओं, मरीजों की सुरक्षा, स्वच्छता तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर के स्वास्थ्य मानकों के अनुरूप अस्पताल की कार्यप्रणाली का प्रमाण है। एनएबीएच की मान्यता प्राप्त करने के लिए अस्पताल को उपचार की गुणवत्ता, मरीजों की देखभाल, प्रशिक्षित चिकित्सा टीम, संक्रमण नियंत्रण, सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक प्रक्रियाओं सहित विभिन्न मानकों पर कठोर मूल्यांकन प्रक्रिया से गुजरना पड़ा।

होम्योपैथी से संभव है मधुमेह एवं अन्य जटिल रोगों का प्रभावी उपचार : प्रो. डॉ. चौरसिया

रायपुर। मधुमेह, उच्च रक्तचाप, थायरॉइड, कोलेस्ट्रॉल और अन्य जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के बढ़ते मामलों के बीच विशेषज्ञों ने समय पर जांच और नियमित उपचार को आवश्यक बताया है। मिरेकल्स होम्योपैथी के प्रो. डॉ. एके चौरसिया (एमडी, होम्योपैथी) एवं डॉ. एस. चौरसिया (एमएस, पाइल्स रोग विशेषज्ञ) ने कहा कि होम्योपैथी में रोग के मूल कारण का उपचार करने का प्रयास किया जाता है, जिससे मरीजों को स्वास्थ्य लाभ मिल सकता है। उन्होंने बताया कि फैटी लिवर, गैस, कब्ज, फंगल संक्रमण, त्वचा संबंधी समस्याएं, बार-बार पेशाब आना, यूटीआई, प्रोस्टेट, वर्टिगो, यौन कमजोरी और इरेक्टाइल डिसफंक्शन जैसी समस्याओं को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। विशेषज्ञ से समय पर परामर्श जरूरी है। डॉ. चौरसिया के अनुसार, अनियंत्रित मधुमेह से हृदय, किडनी और नसों को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। उन्होंने नियमित जांच, संतुलित आहार, व्यायाम और चिकित्सकीय सलाह का पालन करने की अपील की। संस्थान का दावा है कि यहां 12 हजार से अधिक मरीजों का उपचार किया जा चुका है तथा जर्मन होम्योपैथिक दवाओं पर 20 प्रतिशत तक की विशेष छूट उपलब्ध है।

एसबीआई ने स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने 60.30 लाख रुपए अंशदान दिया

रायपुर। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत छत्तीसगढ़ की स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए श्री सत्य साई हेल्थ एंड एजुकेशन ट्रस्ट, नया रायपुर को 60.30 लाख रुपये का अंशदान प्रदान किया। बैंक के प्रबंध निदेशक (कॉर्पोरेट बैंकिंग एवं सब्सिडियरी) अश्विनी कुमार तिवारी ने यह राशि ट्रस्ट को भेंट की। इस अवसर पर एसबीआई के महाप्रबंधक (छत्तीसगढ़) मनोज कुमार, उप महाप्रबंधक दीपक कुमार अभिषेक तथा क्षेत्रीय प्रबंधक आदर्श श्रीवास्तव उपस्थित रहे। ट्रस्ट की ओर से ट्रस्ट ऑफिसर एम. जगदीश राव एवं समन्वयक डॉ. निखिल शुक्ला ने सहभागिता की। डॉ. शुक्ला ने श्री सत्य साई संजीवनी सेंटर की स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी देते हुए कहा कि एसबीआई का यह सहयोग प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश की आधारभूत स्वास्थ्य संरचना को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

खबर संक्षेप

देवेंद्र नगर सेक्टर 3 में बिना अनुमति निर्मित 3 दुकानों को तोड़ा

रायपुर। टीम प्रहरी अभियान अंतर्गत रायपुर पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला और जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेश और निगम आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर जोन 2 क्षेत्र के देवेन्द्र नगर सेक्टर-3 क्षेत्र में नगर निगम मुख्यालय नगर निवेश उडनदस्ता और नगर निगम जोन 2 नगर निवेश विभाग द्वारा यातायात पुलिस बल की उपस्थिति में नगर निगम से बिना अनुमति निर्मित 3 दुकानों को तोड़ा गया। जोन 2 जोन कमिश्नर संतोष पांडे के मार्ग निर्देशन में नगर निवेश विभाग ने देवेन्द्र नगर सेक्टर - 3 क्षेत्र में अभियान चलाकर बिना अनुमति आशीष पटेल द्वारा करीब 450 वर्गफीट क्षेत्र में निर्मित 3 व्यावसायिक दुकानों को जेसीबी मशीन की सहायता से तोड़ने की कार्रवाई संबंधित निर्माणकर्ता को नोटिस देने के बाद की गई।

खाद की कालाबाजारी पर कृषि विभाग की सख्त कार्रवाई

रायपुर। चालू खरीफ सीजन में प्रदेश के किसानों को निर्धारित दर पर पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराने तथा खाद की कालाबाजारी, जमाखोरी एवं अनियमितताओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए राज्य शासन द्वारा लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है। कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग की उड़नदस्ता टीमों द्वारा प्रदेशभर में व्यापक निरीक्षण एवं छापामार कार्रवाई की जा रही है। राज्य सरकार का स्पष्ट निर्देश है कि किसानों के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राज्य में अब तक 4,337 उर्वरक प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया जा चुका है। निरीक्षण के दौरान अनियमितता पाए जाने पर 527 प्रतिष्ठानों को कारण बताओ नोटिस, 167 प्रतिष्ठानों पर विक्रय प्रतिबंध, 93 मामलों में उर्वरक जब्ती, 94 प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबित तथा 9 लाइसेंस निरस्त किए गए हैं। इसके अतिरिक्त 4 प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किए गए हैं।

'श्री लीलामृत' ग्रंथ का रसपान, श्रद्धालु भावविभोर

रायपुर। महाराष्ट्रीयन तेली समाज भवन, अश्वनी नगर में आयोजित तीन दिवसीय श्रीकथा ज्ञान यज्ञ के दूसरे दिन श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति रही। कथा के दौरान प्रवचनकार रोहित मोड़े ने कहा कि मनुष्य के जीवन में गुरु का होना अत्यंत आवश्यक है। गुरु से प्राप्त भक्ति ही जीवन का वास्तविक कल्याण करती है तथा व्यक्ति को आध्यात्मिक उन्नति के मार्ग पर अग्रसर करती है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में योग्य गुरु से गुरु दीक्षा अवश्य ग्रहण करनी चाहिए। इसी क्रम में उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं को जगद्गुरु श्रीमद रामानंदाचार्य नरेंद्राचार्य जी से दीक्षित होकर गुरु परंपरा से जुड़ने तथा धर्म, भक्ति और सेवा के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया।

सोनकर समाज ने जताई नाराजगी

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा निगम, मंडल और आयोगों में सोनकर समाज को प्रतिनिधित्व नहीं दिए जाने पर छत्तीसगढ़ सोनकर समाज युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ सोनकर ने नाराजगी जताई है। सौरभ सोनकर ने कहा कि सरकार की ओर से अब तक निगम, मंडल और आयोगों की तीन सूचियां जारी की जा चुकी हैं, लेकिन इनमें सोनकर समाज के किसी भी सदस्य को स्थान नहीं मिला है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछड़ा वर्ग में शामिल होने के बावजूद समाज को अपेक्षित प्रतिनिधित्व नहीं दिया जा रहा है, जिससे समाज में असंतोष है।

मटेरियल के दाम में 15 से 40 फीसदी तक का इजाफा होने का असर

घर बनाना महंगा, हजार वर्गफीट का बजट हो गया 25 लाख

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

महंगाई की मार अपना आशियाना बनाने पर भी पड़ी है। अब मध्य वर्ग के लिए घर बनाना भी बहुत महंगा हो गया है। जो हजार वर्गफीट का घर पहले 19 से 20 लाख में बन जाता था, वह अब 24 से 25 लाख में बन रहा है। ऐसे में पांच लाख रुपए ज्यादा लग रहे हैं। इसके पीछे का कारण यह है कि हर तरह का मटेरियल महंगा हो गया है।

मटेरियल के दाम 40 फीसदी तक बढ़ने के कारण घर बनाना भी 25 फीसदी तक महंगा हो गया है। अपना घर बनाना हर इंसान का सपना होता है। मध्यम वर्ग का इंसान चाहता है कि उसका खुद का आशियाना कम से कम दाम में बन जाए, लेकिन इस समय युद्ध के कारण हर सेक्टर के सामानों के दाम में आग लग गई है। इसके कारण अपना घर बनाना बहुत महंगा हो गया है। कुछ सेक्टरों ने तो मौका का फायदा उठाते हुए भी दाम बढ़ा दिए हैं।

हरिभूमि सरोकार

सरिया, सीमेंट के दाम बढ़े

घर बनाने के काम में आने वाला सरिया और सीमेंट के दाम भी आसमान पर चले गए हैं। जो सरिया पहले 50 हजार रुपए टन था उसके दाम इस समय 60 हजार से ज्यादा हो गए हैं। सीमेंट के दाम तो कंपनियों ने अपनी मर्जी से बढ़ा दिए हैं। इसके दाम में 30 रुपए तक का इजाफा हो गया है। सीमेंट तीन सौ रुपए के पार है। अलग-अलग ब्रांड का सीमेंट 300 से 350 रुपए है। रेत, गिट्टी, ईंट के दाम भी 30 फीसदी बढ़ गए हैं। मानसून में इसके दाम और बढ़ेंगे।

रंग, पेंट महंगा

रंग और पेंट के दाम में भी भारी इजाफा हो गया है। इसके दाम भी 20 से 25 फीसदी तक बढ़ गए हैं। अच्छी कंपनी का जो पेंट पहले 200 रुपए लीटर आता था, उसके दाम 250 रुपए लीटर हो गए हैं। 400 रुपए लीटर वाले पेंट के दाम 500 रुपए और 800 रुपए वाले पेंट के दाम 1000 रुपए हो गए हैं। अन्य रंग-रोगन का दूसरा मटेरियल भी 15 से 20 फीसदी महंगा हो गया है। सेनेटरी का सामान भी 20 फीसदी तक महंगा हुआ है।

बिजली का सामान बहुत महंगा

बिजली का सामान इस समय बहुत ज्यादा महंगा हो गया है। सबसे ज्यादा असर बिजली के तारों पर पड़ा है। इसके दाम 30 से 40 फीसदी बढ़ गए हैं। कॉपर महंगा होने के कारण कॉपर के तार महंगे हो गए हैं। जो ढाई एमएम की तार पहले 25 रुपए फीट के हिसाब से मिलती थी, उसके दाम 35 से 40 रुपए हो गए हैं। इसी तरह से चार एमएम की तार के दाम 40 रुपए से बढ़कर 55 से 60 रुपए हो गए है। प्लास्टिक महंगा होने के कारण बिजली के स्विच और अन्य सामानों के दाम भी 20 से 25 फीसदी तक बढ़ गए हैं। बिजली के पाइप के दाम भी इजाफा हो गया है।

टाइल्स, विंडो, दरवाजे महंगे

गुजरात के मोरबी में सबसे ज्यादा टाइल्स का उत्पादन होता है। एलपीजी गैस न मिलने के कारण यहां के पांच सौ से ज्यादा प्लांट बंद हो गए थे। हालांकि अब प्लांट वापस खुलने लगे हैं, लेकिन सभी प्लांट अभी नहीं खुल पाए है। ऐसे में अपने प्रदेश में भी टाइल्स की सप्लाई बहुत कम हो रही है। टाइल्स की कीमत भी 20 से 25 फीसदी बढ़ गई है। जो टाइल्स पहले 60 रुपए फीट में मिलती थी, उसके दाम 75 से 80 रुपए हो गए हैं। कम कीमत वाली 40 रुपए फीट वाली टाइल्स के दाम 50 से 55 रुपए हो गए हैं। इसी के साथ स्टील और पीवीसी के विंडो के दाम 20 फीसदी तक बढ़े हैं। लकड़ी के दरवाजों के दाम भी 15 फीसदी तक बढ़े हैं। प्लाई का रेट भी 15 से 20 फीसदी बढ़ा है। एल्युमिनियम के दाम भी बढ़ने से इसके दरवाजे और खिड़कियों के दाम 20 फीसदी तक बढ़ गए हैं।

गंबूजिया मछली खरीदने पर विचार, फागिंग के लिए 35 छोटी मशीन खरीदी

बारिश में नाली और खाली प्लॉट में गंदा पानी जमा, पनपने लगे मच्छर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी में मानसूनी सीजन के साथ शहर में हुई बारिश के कारण खाली भूखंडों और जलभराव वाले क्षेत्रों में गंदा पानी के जमा होने से मच्छरों के लार्वा पनपने लगे हैं, नालिया जाम होने और पोखर सहित अन्य स्थानों पर बारिश का रुका हुआ पानी से मच्छरों की समस्या आने वाले दिनों में और बढ़ेगी। नगर निगम का स्वास्थ्य विभाग शहर में मच्छर उन्मूलन के लिए कोई ठोस योजना अब तक नहीं बना पाया है।

जोन भरोसे शहर के 70 वार्डो में प्लेसमेंट कर्मचारियों के माध्यम से एंटी लार्वा छिड़काव की अस्थायी व्यवस्था और मच्छरों के लार्वा के समूल खात्मा के लिए गंबुजिया मछली अब तक मत्सय विभाग ने नहीं खरीदी गई है, बल्कि इस पर विचार चल रहा है। नगर निगम के पास हाथ चलित छोटी फागिंग मशीन की संख्या कम होने के चलते स्वास्थ्य विभाग ने पंद्रहवें वित्त आयोग मद से 35 हस्तचलित मशीनें ऑनलाइन टेंडर खरीदी है। जिसका पिछले दो दिनों से ट्रायल चल रहा है। रिस्पांस अच्छा मिलने पर इसे आवश्यकता अनुरूप संबंधित जोन के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा। नगर निगम का स्वास्थ्य विभाग अभी तक नालियों और ठहरे हुए पानी में दवा का छिड़काव करने में तत्परता नहीं दिखा पाया है। खदान और गड्ढा तथा खाली भूखंड जहां बारिश का गंदा पानी जमा हुआ है वहां मच्छर पनप रहे हैं। इस ओर निगम प्रशासन का ध्यान अब तक नहीं गया है। न ही शहर के 70 वार्डो में एंटी लार्वा छिड़काव अभियान धरातल पर नजर आ रहा है।

हरिभूमि लाइव

जोन के भरोसे मच्छर उन्मूलन के लिए एंटी लार्वा छिड़काव और फागिंग भी

एकीकृत मच्छर उन्मूलन का पॉयलट प्रोजेक्ट रहा फिस्स

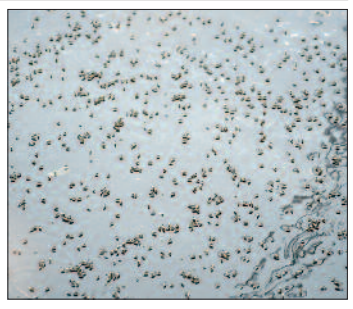

नगर निगम बजट मे मच्छर उन्मूलन के लिए प्रावधान

नगर निगम का स्वास्थ विभाग हर साल की तरह इस भी नगर निगम के बजट में प्रस्ताव बनाकर मच्छर उन्मूलन के लिए प्रावधान पर जोर दिया। पर निचली बस्तियों और रिहाइसी इलाकों में फागिंग और एंटी लार्वा अभियान नियमित रूप से संचालित नहीं हो पा रहा है। पूर्व के परिषद ने 2 साल पूर्व शहर में पहली बार पॉयलट प्रोजेक्ट के रूप में एकीकृत मच्छर उन्मूलन कार्यक्रम के लिए निजी एजेंसी से ट्रायल पर अनुबंध किया। जिसमें अनुबंधित एजेंसी फागिंग मशीन से लेकर आवश्यक संसाधन खुद के खर्च पर उपलब्ध कराई। नगर निगम मुख्यालय मे एजेंसी के कार्य की मानिटरिंग के लिए अलग से कंट्रोल रूप में खोला गया। जहां शहर भर से मच्छरों की समस्या संबंधी शिकायत सुनी जाती। 1 करोड़ 24 लाख में 3 माह के लिए कार्य का अनुबंध हुआ। पर अनुबंधित एजेंसी के कार्य को लेकर तत्कालीन परिषद के सदस्यों के एतराज और तत्कालीन स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष की आपत्ति के बाद यह योजना ठंडे बस्ते में चली गई। अब जोन स्तर पर मच्छर उन्मूलन अभियान संचालित हो रहा है। इसकी मानिटरिंग नगर निगम मुख्यालय में स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से करने की व्यवस्था है।

निगम ने तोड़ा

गंगानगर में पानी टंकी के पास बिना अनुमति व्यावसायिक निर्माण

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

■ जोन 1 नगर निवेश टीम ने जेसीबी से तोड़ने की कार्रवाई की

शहर के आउटर इलाकों में नगर निगम से बिना अनुमति लिए व्यावसायिक निर्माण का सिलसिला थम नहीं रहा है। बुधवार को कुशालपुर रिंगरोड नंबर 1 में 1500 वर्गफीट पर बिना अनुमति व्यावसायिक भवन निर्माण को जोन 5 की टीम ने जेसीबी लगाकर ध्वस्त किया।

इसके दूसरे ही दिन नगर निगम जोन 1 यतियतन लाल वार्ड स्थित भनपुरी के गंगानगर क्षेत्र में पानी टंकी के पास करीब 4023 वर्गफीट भूमि पर किए गए व्यावसायिक निर्माण करने पर निर्माणकर्ता को नोटिस जारी कर पुलिस प्रशासन बल की मौजूदगी में जेसीबी मशीन से जमींदोज करने की कार्रवाई की गई। अधिकारियों के मुताबिक रतिलाल पटेल एवं हिमांशु पटेल द्वारा नगर निगम से बिना अनुमति निर्माण कराया जा रहा था। अवैध निर्माण पर नियम अनुसार नोटिस भी जारी हुआ।

निगम आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 1 नगर निवेश विभाग की टीम ने यतियतनलाल वार्ड के गंगानगर में पानी टंकी के समीप बिना अनुमति करीब 4,023 वर्गफीट भूमि में किये गए व्यावसायिक निर्माण को नियमानुसार प्रक्रिया के अंतर्गत संबंधित निर्माणकर्ताओं को नोटिस जारी करते हुए स्थल पर जेसीबी मशीन से तोड़ने की कार्रवाई की।

ये रहे उपस्थित

जोन 1 जोन कमिश्नर अंशुल शर्मा सीनियर के मार्गनिर्देशन एवं कार्यपालन अभियंता द्रोनी कुमार पैकरा, सहायक अभियंता शरद देशमुख, उपअभियंता नगर निवेश अंकिता सोनवर्षा, कार्य सहायक सुनील नायक सहित अन्य संबंधित कर्मचारियों सहित पुलिस बल की उपस्थिति में अवैध निर्माण को जेसीबी मशीन की सहायता से तोड़ने की कार्रवाई की गयी।

थोक में किए जा रहे थानेदारों के स्थानांतरण, दूसरे दिन एक एसआई सहित 16 टीआई का तबादला

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राज्य के अलग जिलों के थाने में पदस्थ थानेदारों का पुलिस मुख्यालय थोक में ट्रांसफर आर्डर जारी कर रहा है। बुधवार को पुलिस मुख्यालय ने आदेश जारी कर 64 टीआई का स्थानांतरण किया था। दूसरे दिन एक एसआई सहित 15 और टीआई का स्थानांतरण आदेश जारी किया गया है। बताया जा रहा है, जो थानेदार एक ही जिला में दो साल या उससे ज्यादा समय तक पदस्थ रहे, उन थानेदारों को ट्रांसफर कर दूसरे जिले में भेज रहे हैं।

पहले दिन जिन 64 टीआई का स्थानांतरण आदेश जारी किया गया था, उनमें से बस्तर संभाग के अलग-अलग थानों में पदस्थ 26 टीआई का ताबादला मैदानी जिलों में किया गया है। इसके साथ ही मैदानी जिलों के थानों में सेवा देने वाले 38 टीआई का स्थानांतरण बस्तर संभाग के अलग-अलग जिलों में किया गया है। उनमें रायपुर जिला से छह टीआई जिनमें सचिन सिंह, बीएल चंद्राकर, अजीत सिंह राजपूत, हितेश सिंह ठाकुर, रीतेश मिश्रा तथा शिवेंद्र कुमार राजपूत का स्थानांतरण बस्तर संभाग के थानों में किया गया है।

■ पहले दिन 64 टीआई का ट्रांसफर आदेश जारी किया गया था

■ अपने सर्विसकाल में मैदानी क्षेत्र में ड्यूटी करने वाले टीआई का स्थानांतरण बस्तर संभाग में किया गया

इन थानेदारों का स्थानांतरण आदेश जारी

- विपुल आनंद जांगड़े - कोरिया - धमतरी
- दीपक कुमार शर्मा- धमतरी- बस्तर
- कपिल देव चंद्रा - मोहला मानपुर अंबागढ़ - बिलासपुर
- जन्मेजय पाण्डेय - बलरामपुर रामानुजगंज - बालोद
- दुर्गेश्वरी चौबे - सरगुजा - रायपुर ग्रामीण
- धर्मेन्द्र वैष्णव - खैरागढ़ छुईखदान गंडई - जांजगीर-चांपा
- शिवनारायण सिंह - रायपुर - दुर्ग
- स्वराज त्रिपाठी - रायपुर नगरीय - सारंगढ़-बिलाईगढ़
- रूपेश कुमार साहू - पीएचक्यू - राजनांदगांव
- भुवनेश्वर साहू - पीएचक्यू - रायपुर सिटी
- रवि सिंह - सामान्य शाखा - पुलिस मुख्यालय
- दिव्यकांत पाण्डेय - बलरामपुर रामानुजगंज - मुंगेली
- प्रकाश राठौर - सूरजपुर - सारंगढ़-बिलाईगढ़
- सुदर्शन सिंह ध्रुव - नारायणपुर - कांकेर
- अशफाक अहमद अंसारी - पीएचक्यू - सरगुजा
- एसआई देवशरण सिंह - रायपुर सिटी - दुर्ग

बारिश सीजन में शहर को हरा-भरा करने नगर निगम को माना नर्सरी से मिले 20 हजार पौधे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी में मानसून की हाल ही में हुई पहली तेज बारिश के बाद नगर निगम के पर्यावरण एवं उद्यानिकी विभाग ने शहर को हरा-भरा और सुंदर बनाने वन विभाग के माध्यम से माना नर्सरी से 20 हजार पौधे निःशुल्क मंगाए हैं। ये पौधे 12 विभिन्न प्रजाति के छायादार और फलदार पौधे के रूप में हैं, जिनका रोपण शहर के चिन्हांकित खाली स्थानों पर लोगों की मांग और संबंधित वार्ड पार्षद की अनुशंसा पर किया जाएगा। प्रत्येक जोन को 2 हजार निशुल्क फलदार और छायादार पौधा का वितरण डिमांड के अनुसार किया जाएगा।

पर्यावरण एवं उद्यानिकी विभाग अध्यक्ष भोलाराम साहू ने बताया कि नगर निगम जोन 5 कमिश्नरी ने गुरुवार को अपने जोन के 7 वार्डो के चिन्हांकित स्थानों पर पौधारोपण के लिए माना नर्सरी से 2 हजार अलग-अलग प्रजाति के पौधे ले लिए हैं। रायपुर शहर को स्वच्छ और हरित शहर बनाने मानसून सीजन में इस बार 20 हजार विभिन्न प्रजाति के पौधों का रोपण करने की तैयारी है। नगर निगम के पर्यावरण एवं उद्यानिकी विभाग को माना नर्सरी से 20 हजार निःशुल्क पौधे उपलब्ध कराएं जाएंगे। इसकी शुरूआत नगर निगम जोन 5 कमिश्नरी से हुई है। गुरुवार को जोन 5 ने माना नर्सरी से 2 हजार पौधे गाड़ी में भरकर जोन के चिन्हांकित स्थानों पर पौधारोपण के लिए लेकर आए। जल्द ही इन पौधों का रोपण संबंधित स्थानों पर कराया जाएगा।

■ अलग-अलग 12 प्रजाति के हैं फलदार और छायादार पौधे

मुख्यालय से जोन कमिश्नरी को पत्र, पौधारोपण के लिए स्थल और संख्या की मांगी जानकारी : महापौर मीनल चौबे और निगम आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर नगर निगम के पर्यावरण एवं उद्यानिकी विभाग की ओर से सभी दस जोन कमिश्नरी को पौधारोपण के लिए स्थल चिंहाकित कर पौधों की संख्या सहित जानकारी मंगाई गई है। स्थानीय पार्षद के साथ समन्वय बनाकर संबंधित वार्ड के रहवासियों से सुझाव लेकर पौधारोपण के लिए जगह का चयन कर रोपित किए जाने वाले पौधों की अनुमानित संख्या, पौधे प्रजाति का विवरण जल्द भेजने कहा गया है, ताकि समय रहते पौधारोपण का कार्य किया जा सके।

12 प्रजाति के फलदार और छायादार पौधे

रायपुर नगर निगम को माना स्थित नर्सरी से आम, जामुन, अमरूद, आंवला, नीम, गुलमोहर, मौलश्री, कचनार, करंज, सीताफल, मुनगा, सीसु प्रजाति क पौधे पौधारोपण के लिए निःशुल्क उपलब्ध कराए गए हैं। प्रत्येक जोन को 2 हजार पौधा उपलब्ध कराने का लक्ष्य है, यानी दस जोन के लिए 20 हजार विभिन्न प्रजाति के पेड़-पौधे पौधारोपण के लिए मिलेंगे। ये पौधे सार्वजनिक स्थलों, तालाब किनारे, स्कूल प्रांगण, खाली जगह, बगीचों सहित अन्य चिन्हांकित स्थलों पर रोपित कराए जाएंगे।

जोन 5 के वार्डों में इन स्थानों पर होगा पौधारोपण

ठाकुर प्यारेलाल वार्ड : ईदगाहभाठा मैदान, डगनिया खदान के पास, मुकुट नगर गार्डन
पंडित दीनदयाल उपाध्याय वार्ड : सुंचुरी कालोनी गार्डन
पंडित सुंदरलाल शर्मा वार्ड : रावणदहन मैदान सुंदरनगर, आम बगीचा गार्डन, शिव बगीचा गार्डन, पहाड़ी तालाब क्षेत्र, त्रिमूर्ति चौक, आदर्श चौक, मैत्रीनगर, ओम सोसायटी, प्रगति चौक।
महंत लक्ष्मीनारायण दास वार्ड : खोखो तालाब
वामनराव लाखे वार्ड : कुशलपुर स्कूल, मलसाय तालाब
भक्त कर्मा माता वार्ड : भाठागांव बीएसयूपी कालोनी के मार्गो में स्थित रिक्त भूमि
डॉ. खूबचंद बघेल वार्ड : संस्कृति भवन चंगोराभाठा, महदेवा तालाब चंगोराभाठा, बाजार स्कूल चंगोराभाठा

कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने कांग्रेसियों के साथ थाने पहुंचे नकटी पीड़ित

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नकटी गांव में भारी बारिश के दौरान 85 गरीब परिवारों के मकानों को ध्वस्त किए जाने के मामले में गुरुवार को प्रभावित परिवार बड़ी संख्या में माना थाना पहुंचे और रायपुर कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार तथा मकान तोड़ने की कार्रवाई में शामिल सभी प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने के लिए लिखित शिकायत प्रस्तुत की। आंदोलन को जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण एवं शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने पूर्ण समर्थन दिया।

प्रभावित परिवारों ने थाना परिसर के बाहर जोरदार प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की और स्पष्ट कहा, वे किसी भी कीमत पर नया रायपुर नहीं जाएंगे। उनका कहना था कि वर्षों से बसे गांव से उन्हें जबरन बेदखल किया गया है और वे अपने गांव में ही सम्मानपूर्वक पुनर्वास चाहते हैं। पीड़ितों ने सीएसपी लंबोदर पटेल एवं थाना प्रभारी के नाम शिकायत लेकर पहुंचे थे। सौंपे गए आवेदन में मांग की कि तत्कालीन कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार तथा मकान तोड़ने की कार्रवाई में शामिल सभी जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज किया जाए। मामले को दबाने का प्रयास किया गया, तो प्रभावित परिवार न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे। कांग्रेस पार्टी भी इस न्याय की लड़ाई में उनके साथ मजबूती से खड़ी रहेगी और आवश्यक होने पर आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

नकटी के प्रभावित परिवार ने थाने के बाहर किया प्रदर्शन

नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन
कांग्रेस नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत बने मकानों को भी बिना संवेदनशीलता के ध्वस्त किया गया। यदि किसी प्रकार की प्रशासनिक कार्रवाई आवश्यक थी, तो उसे मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए किया जाना चाहिए था, न कि बरसात के बीच गरीब परिवारों को बेघर कर। सीएसपी लंबोदर पटेल एवं थाना प्रभारी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि प्राप्त शिकायत को विधिवत दर्ज कर जांच की जाएगी तथा नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

ये थे मौजूद

प्रदर्शन के दौरान पूर्व मंत्री धनेंद्र साहू की उपस्थिति में जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण के जिलाध्यक्ष राजेन्द्र पप्पू बंजारे, शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्रीकुमार श्रीकुमार मेनन, अनिता शर्मा, पंकज शर्मा, ऊधो वर्मा, डोमेश्वरी वर्मा, भावेश बघेल, आशीष वर्मा, जयंत साहू, वासुदेव कुंडू, बलविंदर गांधी, हरिन्द्र देवांगन, चम्पा देवांगन, मनीष मानिक, गोपाल पाल, योगेंद्र सोलंकी, विद्याभूषण सोनवानी, सजमन बाघ, नीतू साहू, कोमल साहू, खिलावन निषाद, अजितेश शर्मा, रामा यादव, रूपेश बघेल रतन सोलंकी पूरन सोलंकी जीतू भारती महेंद्र (गुड्डू) सेन, नीलकमल घृतलहरे सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी प्रभावित परिवारों के साथ थाना पहुंचे।

हरिभूमि

रायपुर, शुक्रवार 10 जुलाई 2026

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

04

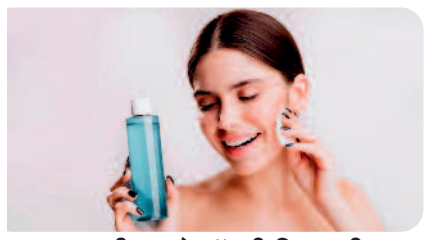

मानसून सीजन में ऑयली स्किन की ...

सिटी लाइव

इंदिरा गांधी कृषि विवि में आज से बी-टेक पाठ्यक्रमों पर ऑनलाइन काउंसिलिंग

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए बीटेक कृषि अभियांत्रिकी एवं बीटेक खाद्य प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रमों में प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए ऑनलाइन काउंसिलिंग प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। प्रवेश प्रक्रिया पीईटी, जेईई मेन्स तथा 12वीं गणित समूह की प्रावीण्य सूची के आधार पर विश्वविद्यालय के प्रवेश नियम-2026 के अनुसार संपन्न की जाएगी। ऑनलाइन काउंसिलिंग में भाग लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन पंजीयन 10 जुलाई से 20 जुलाई रात्रि 11 बजे तक उपलब्ध रहेगा। अभ्यर्थियों को निर्धारित अवधि में ऑनलाइन पंजीयन कर आवश्यक दस्तावेज अपलोड करना अनिवार्य होगा।

30 जुलाई तक सत्यापन प्रक्रिया

ऑनलाइन पंजीकृत अभ्यर्थियों की प्रावीण्य सूची 23 जुलाई को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रकाशित की जाएगी। इसके उपरांत निर्धारित कार्यक्रमानुसार 24 जुलाई से 30 जुलाई तक विभिन्न चरणों में पीईटी, जेईई मेन्स तथा 12वीं गणित समूह के आधार पर सीट आवंटन, दस्तावेज सत्यापन एवं प्रवेश की कार्यवाही संपन्न की जाएगी। प्रवेश विज्ञापन, ऑनलाइन काउंसिलिंग समय-सारणी, ऑनलाइन पंजीयन दिशा-निर्देश, ऑनलाइन काउंसिलिंग दिशा-निर्देश, सीटों का विवरण एवं अन्य आवश्यक जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट **www.igkv.ac.in** पर उपलब्ध है। अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि आवेदन करने से पूर्व सभी दिशा-निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करें।

सिटी लाइव

रोटरी क्लब ऑफ रायपुर रॉयल की नई कार्यकारिणी का पदभार ग्रहण

रायपुर। रोटरी क्लब ऑफ रायपुर रॉयल के नवीन सत्र 2026-27 का पदस्थापना समारोह उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि प्रांतपाल रोटेरियन आलम सिंह रूपरा तथा विशिष्ट अतिथि आगामी प्रांतपाल रोटेरियन भानुप्रताप सिंह की उपस्थिति में नई कार्यकारिणी ने विधिवत पदभार ग्रहण किया। समारोह में रोटरी क्लब ऑफ रायपुर रॉयल के अध्यक्ष रोटेरियन सुनील अग्रवाल एवं सचिव रोटेरियन अंकित गोयल ने पदभार ग्रहण किया। वहीं रोटरेक्ट क्लब ऑफ रायपुर रॉयल के अध्यक्ष करण सिंह खनूजा एवं सचिव निशिका अग्रवाल तथा इंटरेक्ट क्लब ऑफ रायपुर रॉयल की अध्यक्ष वैष्णवी अग्रवाल एवं सचिव अनहाद धूपर ने भी अपने-अपने दायित्व संभाले। मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर आलम सिंह रूपरा ने अपने संबोधन में कहा कि रोटरी का मूल उद्देश्य समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना है।

युवा सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य

नई टीम से सेवा, नेतृत्व एवं नवाचार के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण तथा युवा सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने का आव्हान किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुनील अग्रवाल ने कहा कि क्लब आगामी वर्ष में समाज के विभिन्न वर्गों तक सेवा गतिविधियों को और अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का प्रयास करेगा। क्लब स्वास्थ्य शिविर, पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा, रक्तदान, महिला सशक्तिकरण तथा युवाओं के व्यक्तित्व विकास से जुड़े अनेक सेवा प्रकल्पों का आयोजन करेगा। रोटरेक्ट एवं इंटरेक्ट क्लबों के माध्यम से युवाओं और विद्यार्थियों को सेवा कार्यों से जोड़ने पर विशेष बल दिया जाएगा।

सिटी लाइव

'हिंदवी स्वराज से साम्राज्य तक' विषय पर 18 से चर्चा

रायपुर। हिंदवी स्वराज से साम्राज्य तक विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला 18 और 19 जुलाई को होने जा रही है। महाराष्ट्र मंडल के छत्रपति शिवाजी महाराज सभागृह (मिनी हॉल) में उक्त विषय पर चर्चा आयोजित है। मुख्य वक्ता श्री शिवाजी महाराज रायगढ़ स्मारक मंडल पुणे के कार्यवाह सुधीर थोरात और भारतीय विद्या पारंगत विक्रम सिंह मोहित होंगे। छत्रपति शिवाजी महाराज आयोजन समिति के समन्वयक अभिषेक बक्षी ने इस संदर्भ में बताया कि हिंदवी स्वराज के संस्थापक शिवाजी महाराज की वीरता और उनकी दूरदर्शिता लोगों को जानना जरूरी है। इसलिए महाराष्ट्र मंडल द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। पहले सत्र में 4.15 बजे से 5.30 बजे तक 'छत्रपति शिवाजी महाराज' पर चर्चा होगी। शाम 5.45 से 7 बजे तक दूसरे सत्र में 'स्वराज्य संरक्षण का संघर्ष' पर वक्ताओं के उद्बोधन होंगे। रविवार को दूसरे दिन के सत्र की शुरुआत सुबह 10 बजे होगी।

सामाजिक व्यवस्था पर होगा मंथन

इसमें 'अठारहवीं शताब्दी का हिंदवी स्वराज' पर और 11.30 से 12.30 तक चौथे सत्र में शंका समाधान और समारोप होगा। श्री बक्षी ने बताया कि हमने छत्रपति शिवाजी महाराज के इतिहास के बारे में अक्सर सुना, पढ़ा और उनकी जयंती, पुण्यतिथि और राज्याभिषेक दिवस मनाए हैं, लेकिन इतिहास का एक पहलू ऐसा भी है, जो समय के साथ धुंधला हो गया है। कुछ बातें अफवाहों की धूल में ढंक गई हैं, जबकि कुछ घटनाओं को जानबूझकर उनकी सही जगह नहीं दी गई है। इतिहास सिर्फ बहादुरी के बारे में नहीं है, बल्कि विजन, गवर्नेंस, डिप्लोमेसी, युद्ध की रणनीति, सामाजिक व्यवस्था और देश बनाने के विचारों के बारे में भी है, जिसे कम जाना-पहचाना गया। अक्सर गलत समझे जाने वाले इतिहास को करीब से देखने के लिए यह कार्यशाला होगी।

● थोक बाजार में सावन शुरू होने से पहले बढ़ी रौनक, रिटेलर्स ने की भक्तों के लिए जरूरी सामग्री जुटाने की तैयारी

महाकाल-बाल स्वरूप में शिव और ओम नमः शिवाय प्रिंटेड टी-शर्ट, कांवड़ कस्टमाइज कराने साजो-सामान की डिमांड

सावन शुरू होने से 20 दिन पहले ही शिवभक्तों के लिए थोक बाजार सजकर तैयार है। रिटेलर्स भक्तों के लिए जरूरी सामग्री जुटाने मार्केट में पूछपरख के लिए पहुंचने लगे हैं, इससे रौनक बढ़ी है। इस बार महाकाल, बाल स्वरूप में शिव और ओम नमः शिवाय प्रिंटेड टी-शर्ट, कुर्तों और गमछों की भरमार है। राजस्थान, दिल्ली, कोलकाता से मंगाए गए शिवभक्तों के साजो-सामान जुटाने छोटे व्यापारियों ने दखल देनी शुरू की है। सावन में कांवड़ खरीदने के लिए भक्तों को सौ रुपए खर्च करने होंगे। कांवड़ को खास लुक देने के लिए भक्त कस्टमाइज भी करा सकेंगे।

कांवड़ का जल छलकने से बचाने ढक्कन

कांवड़िए जिस आस्था केंद्र से जल भरेंगे, वहां से लेकर जहां उन्होंने अभिषेक करने का संकल्प लिया है, वहां तक रास्ते में कांवड़ को जमीन पर नहीं रखा जाता। इस बीच लोटे में लिए गए जल को बचाना आसान नहीं होता। लोगों की आस्था के गंगाजल को सहेजने के लिए बाजार में कलश की लुक वाला ढक्कन लगा लोटा आया है। ढक्कन लगे हुए लोटे को कांवड़ पर रखने से यात्रा के दौरान उसे छलकने से बचाने की चिंता भी दूर होगी। आकर्षक लोटे का चलन अब बड़े आयोजनों ही नहीं, बल्कि युवाओं द्वारा निकाली जाने वाली कांवड़ यात्रा में भी देखने को मिलने लगा है। सुविधा और मांग को देखते हुए रिटेलर्स आर्डर कर रहे हैं।

कॉलोनियों और सोसायटी के सदस्यों से मिल रहे आर्डर

व्यापारियों ने बताया कि पॉश कॉलोनियों और सोसायटी में रहने वाले लोग बच्चों के साथ कांवड़ यात्रा में शामिल होने लगे हैं। इस वजह से महाकाल और ओम नमः शिवाय लिखी टी-शर्ट व हाफ पैंट, कुर्ते की डिमांड ज्यादा है। शिव संकीर्तन प्रिंटेड कुर्ते के लिए लोगों को इस बार 100 से 250 रुपए खर्च करने होंगे। व्यापारी तेजमल बताते हैं कि अब नौकरीपेशा लोग ग्रुप बनाकर कांवड़ यात्रा से पहले ऑर्डर बुक कराने के बाद किसी शिवालय के लिए कांवड़ लेकर निकलने से पहले 30 से 50 लोगों के लिए कांवड़ सेट आर्डर किए हैं। इसके अभी तक पांच जगह से आर्डर मिली है।

रायपुर। शिव आराधना के लिए शास्त्रों में सावन के महीने को श्रेष्ठ माना गया है। इस बार सावन 30 जुलाई से शुरू होने वाला है। इसमें पूजा-अर्चना एवं अभिषेक कराने का संकल्प लेने वाले भक्तों द्वारा विशेष आयोजन किए जाते हैं। कई संस्थाओं एवं समाज से जुड़े लोगों द्वारा सावन में भव्य कांवड़ यात्रा भी निकाली जाती है। इसमें शामिल भक्तों के लिए एक जैसा पहनावा तय होता है। यह पहल लंबी दूरी तक कांवड़ लेकर आने-जाने वाले भक्तों की सुविधा के लिए की जाती है। बल्क में आयोजक कांवड़ियों के लिए टी-शर्ट, कार्यकर्ताओं के लिए कुर्ता और महिलाओं के लिए साड़ी विविध रेंज में आर्डर करते हैं। इस बार व्यापारियों ने कांवड़ियों के लिए 150 से 500 की रेंज में टी-शर्ट और हाफ पैंट मंगाया है। इस बार प्लेन और प्रिंट में उपलब्ध कराए जा रहे परिधान की डिमांड है। थोक व्यापारी धनराज और अरिहंत ने बताया कि लोग समय बचाने के लिए कांवड़ से जुड़े सभी सामान 20 मिनट में ले सकेंगे। दुकानों में बांस के कांवड़ कस्टमाइज कर देने की सुविधा इस बार भी मिलेगी। कांवड़ सजाने बांस की लकड़ी, दो प्लास्टिक के लोटे और दो रस्सियां इस बार कांवड़ियों को 150 रुपए में मिलेंगी।

फैमिली की हेल्थ बूस्ट करने वेजिटेबल पोहा, मूंग दाल की खिचड़ी और लौकी के कोफ्ते कर रहीं सर्व

किचन का बदला टेस्ट, ब्रेकफास्ट-लंच और डिनर में गृहणियां परोस रहीं सेहत का स्वाद

स्नैक्स और बासी खाने के सेवन से बचें

शहर की जानी-मानी डायटिशियन पूजा द्विवेदी का कहना है कि किचन या बाहर खुले में रखे कटे हुए फल, सड़क के किनारे मिलने वाले स्नैक्स और बासी खाने से खुद को बचाकर रखें। इन सबका सेवन इस मौसम में स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। भुट्टा कॉर्न उबालकर या भूनकर, कम तेल में बनी ओट्स टिक्की को शामिल कर सकते हैं। वहीं खाने में अदरक और लहसुन का तड़का लगाया जा रहा है, जो एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होता है।

मानसून के हिसाब से सबसे सुपाच्य भोजन तैयार कर रहे

शहर की गृहिणी रेणुका मजूमदार बताती हैं, इस मौसम में ज्यादातर किचन में दाल-चावल और खिचड़ी में मूंग दाल-चावल की खिचड़ी देसी घी के साथ परोसी जा रही है, जो आयुर्वेद के अनुसार मानसून के लिए सबसे सुपाच्य भोजन है। मौसमी सब्जियों में लौकी, परवल जैसी मौसमी सब्जियों को शामिल किया जा रहा है। वहीं सलाद की जगह खीरा और गाजर को हल्की भाप देकर या सूप के रूप में परोस रही हैं। इसके साथ ही रात का खाना हल्का और गर्मागर्म ही सर्व किया जाना है। सूप में टमाटर और पालक का सूप रात के खाने की बेहतर होता है। हल्की चपाती और सब्जी में मैदे की जगह गेहूं के आटे की रोटी के साथ पनीर भुर्जी या हल्की लौकी की सब्जी परोसी जा रही है।

रायपुर। घर की सेहत व थाली का स्वाद गृहिणियों की हाथों पर निर्भर करता है। बारिश के मौसम में सेहत और स्वाद का तालमेल बिठाते हुए गृहणियां किचन में खास बदलाव कर रही हैं। राजधानी की रहवासी गृहिणी शुभांगी शर्मा ने बताया कि फैमिली को ब्रेकफास्ट में गर्मागर्म वेजिटेबल पोहे, लंच में मूंग दाल की खिचड़ी और डिनर में मौसमी सब्जियों, जैसे लौकी या परवल के कोफ्ते परोस रही हैं। वहीं पकौड़ों की जगह बेसन, मूंग दाल का चीला और वेजिटेबल सूप को प्राथमिकता दे रही हैं। मानसून में पाचन शक्ति कमजोर हो जाती है, इसलिए तले-भुने और बासी खाने से फैमिली सदस्यों को बचा रहे हैं। बारिश के मौसम को देखते हुए किचन में अब तेल, मसाले और खट्टी चीजों का संतुलित उपयोग करके परिवार की इम्युनिटी बढ़ाने वाले खाने-पीने की डिश तैयार कर रहे हैं। ब्रेकफास्ट सुबह की शुरुआत हमेशा हल्के और ऊर्जावान खाने से होनी चाहिए। ऐसे में ओट्स और वेज उपमा फाइबर से भरपूर, क्विक मसाला ओट्स या सूजी का उपमा शामिल किया है। चीला में बेसन और मूंग दाल का चीला प्रोटीन का बेहतरीन स्रोत है, जो बारिश के मौसम में परिवार की सेहत को बूस्ट रख रहा है।

बनारस में शहर की युवा कथक नृत्यांगना इशिका ने मचाई धूम

रायपुर। बनारस के घाट संध्या कार्यक्रम में शहर की युवा कथक नृत्यांगना इशिका गिरी ने रायगढ़ घराने के कथक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति देकर धूम मचा दी। यह आयोजन बनारस जिला प्रशासन की अभिनव पहल सुबह-ए-बनारस के अंतर्गत किया गया। सुबह-ए-बनारस के मंच पर कथक नृत्य का शुभारंभ सरस्वती वंदना तत्पश्चात काली कवच और समापन कथक के माध्यम से सृष्टि की रचना और साथ में तोड़े टुकड़े, तिहाई परण से किया। कलाकार ने पद, लय, ताल एवं घुंघुरूओं की झंकार से दर्शकों के हृदय को आनंद से भर दिया। इशिका ने इसका सारा श्रेय अपनी गुरु डॉ. आरती सिंह को दिया हैं। उन्होंने कहा कि विशाल समृद्ध संस्कृति से जुड़े रहने और जीवित रखने के लिये कथक सबसे अच्छा साधन है। कार्यक्रम के दौरान कलाकार को प्रमाणपत्र एवं आशीर्वचन प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संयोजन सुबह-ए-बनारस के सचिव एवं संस्थापक डॉ. रत्नेश वर्मा ने किया। वहीं कार्यक्रम का सफल संचालन सीमा केशरी ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे।

150 से अधिक विद्यार्थियों ने निभाई सांसदों की भूमिका

पुराने विधानसभा भवन में सजी युवा संसद

संसदीय बहस से निखरी युवाओं की नेतृत्व क्षमता, युवा संसद में लोकतंत्र पर हुआ मंथन

कार्नर न्यूज

रायपुर। यंग इंडियंस रायपुर चैप्टर की ओर से पुराने छत्तीसगढ़ विधानसभा भवन में दो दिवसीय यंग इंडियन पार्लियामेंट का आयोजन किया गया। यह राष्ट्रीय स्तर की संसदीय प्रतियोगिता थी, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक मूल्यों, नेतृत्व क्षमता, तार्किक सोच एवं संवैधानिक समझ का विकास करना था। इस वर्ष रायपुर के 10–11 प्रतिष्ठित विद्यालयों से 150 से अधिक विद्यार्थियों ने युवा सांसदों की भूमिका निभाते हुए संसदीय कार्यवाही, नीति निर्माण एवं विधायी प्रक्रिया का जीवंत अनुभव प्राप्त किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष व प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह रहे। उन्होंने अपने प्रेरक उद्बोधन में लोकतंत्र के तीन प्रमुख स्तंभ विधायिका, कार्यपालिका एवं न्यायपालिका की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा विद्यार्थियों को संविधान एवं संसदीय व्यवस्था की महत्ता समझाई। उन्होंने कहा कि युवा ही भारत के भविष्य के नीति-निर्माता हैं और उन्हें लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की गहरी समझ विकसित करनी चाहिए। कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि भाजपा रायपुर जिला अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर एवं रायपुर नगर निगम की महापौर मीनल चौबे उपस्थित रहीं। दोनों ने युवाओं की लोकतांत्रिक भागीदारी एवं राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका पर अपने विचार साझा किए।

पांच विषयों पर विधेयक प्रस्तुत किए

प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय महत्व के पांच विषयों पर विधेयक प्रस्तुत किए, जिनमें पूर्वोत्तर भारत में बुनियादी ढांचे का विकास, भारत में गरीबी उन्मूलन एवं कल्याणकारी विकास, भारत में रोजगार क्षमता एवं कौशल विकास, सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं स्वास्थ्य सेवाओं की सुलभता तथा शैक्षणिक विकास एवं सुधार जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल रहे। संसदीय नियमों के अनुरूप पक्ष-विपक्ष में प्रभावशाली बहस हुई, दो विधेयकों पर विस्तृत चर्चा की गई तथा एक विधेयक सर्वसम्मति से पारित किया गया। प्रतियोगिता के समापन पर विभिन्न विद्यालयों से 15 उत्कृष्ट प्रतिभागियों का चयन विजेताओं के रूप में किया गया। ये सभी प्रतिभागी अगस्त माह में दुर्ग में आयोजित होने वाले रीजनल राउंड में रायपुर का प्रतिनिधित्व करेंगे। रीजनल स्तर पर चयनित प्रतिभागियों को नई दिल्ली स्थित भारत की संसद में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

युवाओं में दिखा उत्साह

कार्यक्रम की अध्यक्षता यंग इंडियंस रायपुर चैप्टर के चेयरमैन पंकज सोमानी ने की। उन्होंने कार्यक्रम की भूमिका रखते हुए कहा कि यंग इंडियन पार्लियामेंट केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि युवाओं को जिम्मेदार, जागरूक एवं संवेदनशील नागरिक बनाने का सशक्त मंच है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों, विद्यालयों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर यंग इंडियंस रायपुर की को-चेयर कावित पसारी, चैप्टर के पूर्व चेयरमैन, सीआईआई के पूर्व चेयरमैन संजय जैन, थालिर चेयर नूपुर अग्रवाल, जॉइंट चेयर आदित्य अग्रवाल, को-चेयर सोनल अग्रवाल, एडवोकेट अन्वेष मिश्रा, यंग इंडियंस के अनेक सदस्य, विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षक एवं समन्वयक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सिटी इवेंट

एक करोड़ की लागत से होगा प्रेस क्लब का कायाकल्प, मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं

रायपुर। रायपुर प्रेस क्लब को आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल शुरू हो गई है। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा स्वीकृत एक करोड़ रुपए की राशि से प्रेस क्लब भवन के जीर्णोद्धार व आधुनिकीकरण का कार्य जल्द प्रारंभ होगा। इसी क्रम में गुरुवार को जनसंपर्क आयुक्त रजत बंसल एवं रायपुर नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा ने रायपुर प्रेस क्लब भवन का निरीक्षण कर प्रस्तावित निर्माण कार्यों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान प्रेस क्लब भवन की वर्तमान आवश्यकताओं का विस्तृत आकलन किया गया तथा आधुनिक सुविधाओं के अनुरूप निर्माण, इंटीरियर, साज-सज्जा एवं अन्य आधारभूत व्यवस्थाओं की रूपरेखा तैयार की गई। जनसंपर्क आयुक्त रजत बंसल ने वरिष्ठ पत्रकारों एवं प्रेस क्लब पदाधिकारियों से चर्चा कर उनके सुझाव भी लिए, ताकि प्रेस क्लब को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप विकसित किया जा सके। प्रस्तावित योजना के अनुसार प्रेस क्लब में प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए दो अत्याधुनिक सभागार, गेमिंग जोन, ड्रॉइंग/लाउंज हॉल, सुविधायुक्त शौचालय, आधुनिक इंटीरियर, बेहतर बैठक व्यवस्था, जिम हॉल, लाइव डिस्कशन स्टूडियो तथा आकर्षक आउटर लैंडस्केपिंग विकसित की जाएगी। प्रेस क्लब में शुरू हो रहे इस नवनिर्माण का उद्देश्य है कि राजधानी के पत्रकारों को एक आधुनिक, सुविधासंपन्न एवं गरिमामयी कार्यस्थल उपलब्ध कराया जा सके।

कार्य जल्द शुरू कराने का आश्वासन

इस दौरान जनसंपर्क विभाग एवं रायपुर प्रेस क्लब के साथ समन्वय स्थापित करते हुए नगर निगम को आवश्यक कार्रवाई शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए। नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा ने भी निर्माण कार्य को प्राथमिकता के आधार पर जल्द शुरू कराने का आश्वासन दिया। रायपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष मोहन तिवारी ने प्रेस क्लब की वर्तमान आवश्यकताओं एवं प्रस्तावित जीर्णोद्धार की विस्तृत जानकारी जनसंपर्क आयुक्त एवं निगम आयुक्त को दी। उन्होंने कहा कि रायपुर प्रेस क्लब को राजधानी की गरिमा के अनुरूप आधुनिक स्वरूप प्रदान करना प्रेस क्लब की प्राथमिकता है और इसके लिए राज्य शासन द्वारा मिली स्वीकृति पत्रकार समुदाय के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। निरीक्षण के दौरान रायपुर प्रेस क्लब के महासचिव गौरव शर्मा, उपाध्यक्ष दिलीप साहू, कोषाध्यक्ष दिनेश यदु, संयुक्त सचिव निवेदिता साहू एवं भूपेश जांगड़े उपस्थित रहे।

शहर के विभिन्न क्षेत्र में संस्थाओं से जुड़े युवाओं ने शुरू की पहल, दूसरे सप्ताह भी चलाएंगे अभियान

बरसात की दस्तक के साथ प्रकृति प्रेमियों का अभियान, 3051 पौधे रोपने के बाद शेड्यूल तय

बरसात शुरू होने के साथ ही प्रकृति संरक्षण के लिए लगातार प्रयास करने वाली ग्रीन आर्मी संस्था के प्रदेश अध्यक्ष अमिताभ दुबे ने बताया कि इस सीजन में 51 हजार पौधे रोपने का संकल्प है। इसकी शुरुआत 5 जुलाई से की गई है। पहले सप्ताह में तीन हजार पौधे ऑक्सीजोन, पुराना विधानसभा रोड, कुम्हारी, महादेवघाट और अमलीडीह के तीन स्कूलों में सदस्यों ने प्रकृति को हरा-भरा रखने के लिए प्रयास शुरू किया है।

रायपुर। इस बार नीम, पीपल, बरगद, सागौन, महुआ, काला जामुन सहित 20 तरह के पौधों को प्राथमिकता दी जा रही है। संस्था प्रमुख ने बताया प्रत्येक संडे को सभी मेंबर्स की सहभागिता अभियान को गति देने का सिलसिला शुरू किया गया है। वन विभाग से मिलने वाले पौधों के अलावा मेंबर्स से मिलने वाले पौधों को इस बार 200 स्थानों पर रोपने की तैयारी है। अब एम्स, स्कूल, कॉलेज, तालाब, आरडीए, हाउसिंग बोर्ड द्वारा गार्डन में पौधे लगाने के लिए स्पाट तय किए गए है।

फाउंडेशन हर सप्ताह रोपेगा 50 पौधे

सरयूबांधा मुक्तिधाम कैंपस में कृष्ण मित्र फाउंडेशन और सहयोगी संस्थाओं की सहभागिता से 600 से अधिक पौधे रोपने की तैयारी है। फाउंडेशन प्रमुख माधव लाल यादव ने बताया कि संस्था द्वारा इस सीजन में 101 पौधे रोपे जाएंगे। इस अलावा संस्थाओं के सहयोग से भी 500 से अधिक पौधे रोपने की तैयारी है। इसकी शुरुआत 5 जुलाई को करते हुए एक पौधा मां के नाम, इस श्रृंखला में 51 पौधे लगाए गए। आगामी संडे सहित बरसात में हर संडे को यह सिलसिला जारी रखा जाएगा। इस बार माहेश्वरी सभा की महिलाओं के अलावा प्रकृति की ओर और जिंदगी ना मिलेगी दोबारा की ओर से पौधरोपण की सहमति है। इससे पहले कृष्ण मित्र फाउंडेशन ने 1100 पौधे रोपने का लक्ष्य पूरा किया है।

19 जुलाई से करेंगे शुरुआत जगह तय

शकुंतला फाउंडेशन की संस्थापिका स्मिता सिंह ने बताया कि इस सीजन में 501 पौधे रोपने का संकल्प है। इसकी शुरुआत 19 जुलाई को कैवल्य धाम वृद्धाश्रम परिसर में किया जाएगा। लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रत्येक रविवार को 30 से 50 पौधे रोपने की तैयारी है। इसके अलावा ग्रामीण इलाके को प्राथमिकता में रखेंगे। वहां पौधों को सहेजने की जिम्मेदारी आसपास के लोग निभाते हैं। इस क्रम में टिकरापारा स्थित मुक्तिधाम परिसर में भी आम, नीम, पीपल, बरगद, अनार, अमरूद रोपने जाएंगे। इसके लिए कुछ पौधे संस्था मेंबर्स की सहभागिता से खरीदे जाते हैं, कुछ पौधे वन विभाग के माध्यम से प्राप्त होते हैं।

सिटी इवेंट

बच्चों को संस्कारवान बनाना है तो उन्हें सत्संग और श्रीमद्भागवत कथा से जोड़ें

रायपुर। इंडोर स्टेडियम में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन देवकीनंदन ठाकुर महाराज ने समाज और बच्चों को संस्कारवान बनाने को लेकर प्रेरक बातें कहीं। उन्होंने कहा कि हम अपनी आने वाली पीढ़ी को संस्कारवान, चरित्रवान और धर्मनिष्ठ बनाना चाहते हैं तो उन्हें बचपन से ही सत्संग और श्रीमद्भागवत कथा से जोड़ना होगा। माता-पिता का यह दायित्व बनता है कि वे अपने बच्चों को कथा, भजन, सत्संग और धार्मिक आयोजनों में अवश्य लेकर जाएं। कथा के माध्यम से बच्चों को भगवान श्रीकृष्ण, भगवान श्रीराम और महान संतों के आदर्श जीवन से प्रेरणा मिलती है। वे सत्य, करुणा, सेवा, विनम्रता, माता-पिता का सम्मान, गुरु के प्रति श्रद्धा, राष्ट्रप्रेम और मानवता जैसे जीवन मूल्यों को सहज रूप से सीखते हैं। हर सनातनी के माथे पर तिलक, सिर पर शिखा, गले में तुलसी की माला और मुख में हर समय भगवान का नाम होना चाहिए। ये केवल पहचान नहीं, बल्कि आत्मिक अनुशासन के प्रतीक हैं। शिखा ज्ञान, संयम और वैदिक परंपरा के प्रति श्रद्धा का प्रतीक मानी जाती है। तुलसी की माला भगवान के प्रति भक्ति, पवित्रता और सात्विक जीवन का संदेश देती है। वहीं मुख में भगवान का नाम होने का अर्थ है कि व्यक्ति हर परिस्थिति में ईश्वर का स्मरण करे और अपने विचारों तथा कर्मों को धर्म के अनुरूप रखे।

बच्चों में नैतिक मूल्यों और अच्छे संस्कारों की कमी

आज समाज में अनेक बच्चे और युवा छोटी-छोटी बातों पर हिंसा, झगड़े और अपराध जैसे गलत कदम उठा लेते हैं। इसका एक प्रमुख कारण नैतिक मूल्यों और अच्छे संस्कारों की कमी है। हर माता-पिता की सबसे बड़ी जिम्मेदारी केवल बच्चों को अच्छी शिक्षा और सुविधाएं देना ही नहीं, बल्कि उन्हें एक अच्छा इंसान बनाना भी है। उन्हें बचपन से सत्य, ईमानदारी, करुणा, सेवा, धैर्य, अनुशासन और बड़ों के सम्मान जैसे जीवन मूल्यों की शिक्षा देनी चाहिए। यदि बच्चों को घर से अच्छे संस्कार मिलते हैं तो वे न केवल अपने परिवार का नाम रोशन करते हैं, बल्कि समाज और राष्ट्र के लिए भी एक जिम्मेदार एवं आदर्श नागरिक बनते हैं।

तिलक धारण किए नजर आए श्रद्धालु

कथा संयोजक योगेश अग्रवाल ने बताया, कथा के शुभारंभ से पूर्व महाराजजी ने समस्त भक्तों से भावपूर्ण अनुरोध किया कि जो भी भक्त कथा श्रवण के लिए पधारें, वे माथे पर तिलक लगाकर ही आएं। उनके इस आग्रह का भक्तों ने पूरे भाव और अनुशासन के साथ पालन किया। कथास्थल पर उपस्थित सभी श्रद्धालु तिलक धारण किए हुए नजर आए, जिससे संपूर्ण पंडाल एक दिव्य और सनातनी स्वरूप में परिवर्तित हो गया। कथा में मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने पधारकर व्यासपीठ का आशीर्वाद प्राप्त कर कथा श्रवण किया।

लोटस टेंपल का कायाकल्प...

रायपुर। नंदनवन चिड़ियाघर के समीप स्थित शहर का पहला लोटस टेंपल रंगरोगन के बाद एक बार फिर से आकर्षण का केंद्र बन गया है।नंदनवन घूमने पहुंच रहे पर्यटक अब इस मंदिर का भी भ्रमण कर रहे हैं। बता दें कि यह लोटस टेंपल निजी संपत्ति है, इसे लोगों के भ्रमण के लिए तैयार किया गया है। यहां परिसर में वन्यजीवों की कलाकृतियां और टाइटेनिक जहाज की प्रतिकृति भी लोगों को आकर्षित कर रही है। कमल के फूल की आकृति में निर्मित इस सांई बाबा मंदिर की सुंदरता रंगरोगन के बाद और अधिक निखर गई है। एंट्री फ्री होने से यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या भी बढ़ रही है।

भगवान वामन का अवतार और राजा बलि के कथा प्रसंग सुन भावविभोर हुए श्रद्धालु

रायपुर। समता कॉलोनी विप्र भवन में श्रीमद्भागवत महापुराण ज्ञानयज्ञ सप्ताह के पंचम दिवस पर श्रद्धा, भक्ति और उल्लास का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। कथाव्यास पं. दुर्गा प्रसाद तिवारी सरोरा वाले ने अपने ओजस्वी एवं मधुर प्रवचनों से श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

स्व. गौरव तिवारी की पावन स्मृति में तिवारी परिवार द्वारा श्रीमद्भागवत महापुराण ज्ञानयज्ञ सप्ताह का भक्तिमय आयोजन किया जा रहा है। यह कथा प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से सायं 7 बजे तक विप्र भवन, समता कॉलोनी में आयोजित है। पंचम दिवस की कथा में व्यासपीठ से भगवान वामन अवतार, सूर्यवंश एवं चंद्रवंश की गौरवशाली परंपरा तथा भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य जन्मोत्सव का अत्यंत भावपूर्ण वर्णन किया गया। उन्होंने कहा कि भगवान वामन का अवतार धर्म की स्थापना, दान, विनम्रता एवं अहंकार के परित्याग का संदेश देता है। राजा बलि के प्रसंग के माध्यम से बताया गया कि सच्चा समर्पण ही ईश्वर की कृपा प्राप्त करने का मार्ग है। कथा में सूर्यवंश एवं चंद्रवंश की परंपरा का वर्णन करते हुए भगवान श्रीराम एवं भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया गया। जैसे ही भगवान श्रीकृष्ण जन्म का प्रसंग आया, संपूर्ण पंडाल नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की के जयघोष से गुंजायमान हो उठा। श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन, पुष्पवर्षा एवं आरती के साथ श्रीकृष्ण जन्मोत्सव बड़े हर्षोल्लास से मनाया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे

समता कॉलोनी विप्र भवन में श्रीमद भागवत महापुराण ज्ञानयज्ञ सप्ताह

पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में दीदी के गोठ वार्षिकोत्सव में सशक्त महिलाओं ने लिया भाग

पति का साथ छूटने पर आर्थिक संकट से परिवार को उबारने की जिद ने बना दिया लखपति दीदी

कार्नर न्यूज

रायपुर। साइंस कॉलेज स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में दीदी के गोठ वार्षिकोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में प्रदेशभर से बड़ी संख्या में लखपति दीदी शामिल हुईं। इस दौरान अपनी जिद व संघर्षों से आत्मनिर्भर बनीं महिलाओं ने अपनी सफलता की कहानी अपनी जुबानी बयां की। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने दुर्ग जिले से वर्चुअल माध्यम से जुड़ीं लखपति दीदी विद्या निषाद से चर्चा की। लखपति दीदी ने बताया कि कोरोनाकाल में पति के निधन के बाद उन्हें बिहान समूह से प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन मिला। उन्होंने कपड़े एवं फैंसी स्टोर का व्यवसाय शुरू किया और आज प्रतिवर्ष 5 लाख रुपए से अधिक की आय अर्जित कर आत्मनिर्भर बन चुकी हैं। मुख्यमंत्री ने उनकी सफलता की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि दीदी के गोठ' कार्यक्रम प्रदेश की माताओं-बहनों के लिए प्रेरणा का सशक्त माध्यम बन गया है।

सीएम ने सफलता की मिसाल बनी दीदियों को किया सम्मानित

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर 'दीदी के गोठ' कॉफी टेबल बुक, 'बिहान वाणी' त्रैमासिक पत्रिका तथा 'मोर गांव मोर पानी' पुस्तक का विमोचन किया। उन्होंने अपनी सफलता की कहानी साझा करने वाली दीदियों को सम्मानित किया तथा 'दीदी के गोठ' के 12 एपिसोड पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन कर महिलाओं से संवाद भी किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने ऑडिटोरियम परिसर में आयोजित 'दीदी के गोठ' फोटो गैलरी का अवलोकन किया तथा स्वसहायता समूहों की महिलाओं से संवाद कर उनके नवाचारों एवं आजीविका गतिविधियों की जानकारी ली और उन्हें निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस कार्यक्रम के जरिए महिलाओं को आत्मनिर्भरता, आजीविका, नवाचार और स्वरोजगार से जुड़ी अत्यंत रोचक एवं प्रेरक जानकारियां मिल रही हैं। एक सफल दीदी की कहानी हजारों अन्य महिलाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा दे रही है और यही इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी सफलता है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गुरुवार को साइंस कॉलेज स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित 'दीदी के गोठ' वार्षिकोत्सव-2026 एवं संकुल स्तरीय संगठन सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी को देवी स्वरूप माना गया है। वेदों में कहा गया है "यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता।" आज महिलाएं बिहान से जुड़कर आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं।

कार्यक्रम में ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष संदीप यदु, गुरु सौरभ साहेब, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव ऋचा शर्मा, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के संचालक तारन प्रकाश सिन्हा, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के मिशन संचालक अश्वनी देवांगन सहित वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में बिहान की दीदियां उपस्थित रहीं।

हेल्थ टिप्स

अच्छी सेहत के लिए रोज व्यायाम जरूरी, पर ये गलती आपके लिए पड़ सकती है भारी

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए नियमित व्यायाम करने की सलाह दी जाती है। ये सिर्फ वजन कंट्रोल रखने के लिए ही नहीं, बल्कि ब्लड प्रेशर-शुगर की दिक्कत से बचाए रखने के लिए भी जरूरी है। क्या आप रोजाना वर्कआउट करते हैं, रोजाना जिम जाते हैं? अगर हां तो कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखें वरना आपको फायदे से कहीं ज्यादा नुकसान हो सकता है।

जब भी हम किसी लंबे सफर पर निकलते हैं, तो गाड़ी को स्टार्ट करने से पहले कुछ देर इंजन को गर्म करते हैं। ठीक वैसे ही, जब हम अपने शरीर को किसी भी कठिन शारीरिक गतिविधि यानी वर्कआउट के लिए तैयार करते हैं, तो उसे भी वार्मअप यानी हल्की-फुल्की एक्सरसाइज से तैयार करना जरूरी होता है। ये सिर्फ एक आदत नहीं बल्कि शरीर के लिए एक जरूरी प्रक्रिया है।वर्कआउट से पहले वार्मअप जरूर करना चाहिए, इससे कई लाभ मिलते हैं। वार्मअप न करने से मांसपेशियां ठंडी बनी रहती हैं और उनमें खिचाव आने या चोट लगने का खतरा अधिक होता है।

वार्मअप होता क्या है?

वार्मअप का मतलब होता है, हल्की

फिजिकल एक्टिविटी या स्ट्रेचिंग जिससे शरीर को धीरे-धीरे उस स्थिति में लाया जा सके जिसमें वह तेज एक्सरसाइज या वर्कआउट को झेल सके। इसमें 5-10 मिनट की हल्की एक्सरसाइज जैसे जॉगिंग, स्ट्रेचिंग, जंपिंग जैक्स या आर्म रोटेशन शामिल हो सकते हैं। पर्याप्त वार्मअप करने से मांसपेशियां गरम और लचीली हो जाती है, जिससे चोट लगने की आशंका काफी कम रहती है। इसका दूसरा बड़ा फायदा यह भी है कि मांसपेशियों में रक्त संचार तेज हो जाता है, जिससे मांसपेशियों को ऑक्सीजन और पोषक तत्व अधिक मिलते हैं। इससे वे बेहतर तरीके से काम कर पाती हैं।

क्या कहते हैं डॉक्टर?

फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. अमित अग्रवाल कहते हैं, वार्मअप धीरे-धीरे शुरू करें और फिर धीरे-धीरे इसकी तीव्रता बढ़ाएं। इस दौरान पूरे शरीर का उपयोग करें। यदि आपको कोई दर्द या परेशानी महसूस हो तो वार्मअप न करें और आराम करें।वर्कआउट से पहले वार्मअप करना आपके लिए कई प्रकार से लाभदायक हो सकता है। नेशनल एकेडमी ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन के अनुसार, वार्मअप मसल्स को धीरे-धीरे खिंचाव के लिए तैयार करता है, जिससे चोट लगने का खतरा कम हो जाता है।

इन फायदों के बारे में भी जानिए

व्यायाम से अधिकतम लाभ प्राप्त करने

और व्यायाम के दौरान किसी प्रकार की चोट या खिंचाव से बचाव के लिए तो वार्मअप जरूरी है ही, साथ ही इस एक आदत के और भी कई लाभ हो सकते हैं। वार्मअप से शरीर में रक्त प्रवाह बढ़ता है, जिससे मांसपेशियों को अधिक ऑक्सीजन मिलती है। इससे परफॉर्मेंस बेहतर होती है। अचानक वर्कआउट शुरू करने से हार्ट रेट तेजी से बढ़ सकता है, लेकिन वार्मअप इसे धीरे-धीरे और सुरक्षित तरीके से बढ़ाता है। वार्मअप से जोड़ों में लचीलापन आता है और वे पूरी गति से हिलने के लिए तैयार होते हैं, जिससे एक्सरसाइज प्रभावी होती है।

फिजियोथेरेपिस्ट बताते हैं, हल्की-फुल्की एक्टिविटी से शरीर धीरे-धीरे सक्रिय होता है, जिससे स्टैमिना बेहतर रहता है और थकान देर से महसूस होती है।फिजियोथेरेपिस्ट बताते हैं, वार्मअप कोई विकल्प नहीं है बल्कि जरूरी स्टेप है। यह आपके शरीर को आने वाले शारीरिक प्रयासों के लिए तैयार करता है और चोट से बचाव करता है। इसलिए अगली बार जब आप वर्कआउट करने जाएं, तो 10 मिनट का वार्मअप जरूर करें।

तनाव को नियंत्रित करना सेहत के लिए जरूरी

बढ़ रही है इरिटेबल बाउल सिंड्रोम की समस्या, खानपान और बदलती जीवनशैली है जिम्मेदार

इरिटेबल बॉवेल सिंड्रोम पाचन संबंधी समस्या है, जो व्यक्ति की रोजमर्रा की जिंदगी को बुरी तरह प्रभावित कर सकती है। सही खानपान, जीवनशैली में बदलाव, तनाव को नियंत्रित करने जैसे उपाय इसमें आराम दिला सकते हैं।

क्या आप भी पेट की दिक्कतों से परेशान रहते हैं? अक्सर पेट में मरोड़-दर्द बना रहता है, खाना खाते ही पेट फूल जाता है और दिनभर बेचैनी महसूस होती रहता है? अगर हां तो इसे सिर्फ कमजोर पाचन या गैस की दिक्कत समझकर नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। कई बार ऐसी परेशानियां इरिटेबल बाउल सिंड्रोम (आईबीएस) जैसी बीमारी का भी संकेत हो सकती है।

इरिटेबल बाउल सिंड्रोम सुनने में भारी-भरकम बीमारी लगती है। इसे पेट और आंतों से जुड़ी क्रॉनिक बीमारी माना जाता है। वैसे तो हर बार पेट की दिक्कत होने का मतलब आईबीएस ही नहीं है लेकिन यदि आपको महीने में तीन-चार बार ऐसे लक्षण महसूस होते हैं और लंबे समय से ऐसी ही समस्या बनी हुई है, तो यह आईबीएस हो सकता है। आइए जान लेते हैं कि ये समस्या होती क्यों है और इससे कैसे बचा जा सकता है?

इरिटेबल बाउल सिंड्रोम की समस्या

आईबीएस वाले लोगों को पेट में दर्द और ऐंठन जैसे लक्षण महसूस होते हैं। हालांकि इससे आपके गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्रैक्ट के टिश्यू को कोई नुकसान नहीं पहुंचता और न ही इससे कोलन कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ता है।

यह एक क्रॉनिक बीमारी है जिसे ज्यादातर लोग अपनी दिनचर्या और खान-पान में बदलाव करके कंट्रोल कर सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय गैस्ट्रोएंटरोलॉजी संगठन के अनुसार, दुनिया की लगभग 5 से 10 प्रतिशत आबादी आईबीएस से प्रभावित हो सकती है। महिलाओं में इसके मामले पुरुषों की तुलना में अधिक देखे जाते हैं। वैसे तो ये किसी भी उम्र के व्यक्ति को प्रभावित कर सकता है हालांकि अधिकतर मरीजों में इसकी शुरुआत 50 वर्ष की उम्र से पहले हो जाती है।

आईबीएस की पहचान कैसे की जाती है?

आईबीएस का सबसे प्रमुख लक्षण बार-बार होने वाला पेट दर्द है। ये अक्सर शौच के बाद कम हो जाता है। इसके अलावा मरीजों को पेट फूलने, गैस, कब्ज, बार-बार दस्त होने और शौच के बाद भी पेट पूरी तरह साफ न होने का एहसास हो सकता है। आईबीएस में आमतौर पर शौच के साथ खून आने, लगातार बुखार, वजन कम होने और एनीमिया जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं।

क्यों होती है ये दिक्कत?

वैज्ञानिक अभी तक आईबीएस का कोई एक निश्चित कारण समझ नहीं सके हैं, हालांकि शोध बताते हैं कि गट ब्रेन एक्सिस में गड़बड़ी से इसका खतरा हो सकता है। इसमें मस्तिष्क और आंतों के बीच संदेशों का आदान-

प्रदान सामान्य तरीके से नहीं हो पाता। आंतों की असामान्य गति, आंतों के माइक्रोबायोम में बदलाव और कुछ लोगों में पेट के संक्रमण के बाद ये समस्या हो सकती है। तनाव-चिंता, अनियमित भोजन, नींद की कमी और ज्याद फैट-मसालेदार भोजन से भी इसका खतरा बढ़ जाता है।

इससे कैसे करें बचाव?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सही जीवनशैली और उपचार से इसके लक्षणों को नियंत्रित किया जा सकता है। अमेरिकन कॉलेज ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के अनुसार, मरीज की समस्या के अनुसार उपचार तय किया जाता है। संतुलित भोजन करना, नियमित समय पर खाना खाने, पर्याप्त मात्रा में पानी पीने जैसे उपाय इसमें मददगार हो सकते हैं। तनाव कम करने के लिए नियमित व्यायाम, योग-ध्यान से भी कई मरीजों में लक्षण कम करने में मदद मिल सकती है।

डायबिटीज का जोखिम बढ़ता ही जा रहा साल-दर-साल

डायबिटीज के बारे में कुछ बातें अच्छे से समझ गए तो दूर हो जाएगी आपकी आधे से ज्यादा परेशानी

आईसीएमआर की साल 2025 की रिपोर्ट्स के अनुसार भारत में 10 करोड़ से ज्यादा लोग डायबिटीज के शिकार हैं वहीं 13 करोड़ से अधिक 'प्री-डायबिटिक' हैं यानी इन लोगों को भविष्य में डायबिटीज का खतरा अधिक हो सकता है। आइए डायबिटीज की समस्या से संबंधित कुछ जरूरी बातें जानते हैं।

डायबिटीज एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है जिसका जोखिम साल-दर-साल बढ़ता ही जा रहा है। कुछ दशकों पहले तक इसे उम्र बढ़ने के साथ होने वाली बीमारी के रूप में जाना जाता था, हालांकि अब कम उम्र के लोग भी इसका शिकार होते जा रहे हैं। क्या आपको भी बार-बार प्यास लगती है और बार-बार पेशाब आता है? अगर हां, तो ये सिर्फ मामूली लक्षण नहीं हैं ये उस डायबिटीज के संकेत हो सकते हैं जो अंदर ही अंदर आपके शरीर को खोखला कर रही है।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर)

की साल 2025 की रिपोर्ट के अनुसार भारत में 10 करोड़ से ज्यादा लोग डायबिटीज का शिकार हैं वहीं 13 करोड़ से अधिक 'प्री-डायबिटिक' हैं यानी इन लोगों को भविष्य में डायबिटीज का खतरा अधिक हो सकता है। डायबिटीज की स्थिति आपके आंख, किडनी, हृदय और तंत्रिकाओं को बुरी तरह से प्रभावित कर सकती है, जिसको लेकर सभी लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए।स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, अच्छी बात ये है कि थोड़ी सी सावधानी, सही जानकारी और आदतों में छोटे-छोटे बदलाव से आप इस बीमारी को रोक सकते हैं। आइए डायबिटीज की समस्या से संबंधित कुछ जरूरी बातें जानते हैं। डायबिटीज एक मेटाबॉलिक (चयापचय संबंधी) बीमारी है जिसमें शरीर या तो इंसुलिन हार्मोन नहीं बना पाता या फिर बने हुए इंसुलिन का सही तरीके से इस्तेमाल नहीं कर पाता है। इंसुलिन हार्मोन पैंक्रियास में बनता है और शुगर (ग्लूकोज) को कोशिकाओं के अंदर ऊर्जा के रूप में इस्तेमाल करने में मदद करता है। जब इंसुलिन की कमी या रेसिस्टेंस हो जाती है।

इन गलतियों से स्वाद और सेहत दोनों का होता है बड़ा नुकसान

अगर आप रोज सब्जी बनाते हैं लेकिन स्वाद या पोषण में कुछ कमी लगती है तो हो सकता है आप अनजाने में खाना बनाते समय कुछ छोटी-छोटी गलतियां कर रहे हों। इन गलतियों से न सिर्फ आपकी सब्जी का स्वाद बिगड़ता है, बल्कि सेहत पर भी बुरा असर पड़ सकता है।

कच्चे तेल में छोंक

अक्सर लोग सब्जी बनाते समय तेल को अच्छे से पकाए बिना या ठंडे व कच्चे तेल में छोंक लगा देते हैं। इससे तेल की छार और कच्चापन बरकरार रहता है। ये सब्जी बनाते समय सबसे पहली और बड़ी गलती लोग कर जाते हैं। जब तेल अच्छे से गर्म हो जाए ।

ज्यादा देर तक सब्जी पकाना

बहुत से लोग सब्जी को ढककर ज्यादा देर तक पकाते हैं ताकि वह पूरी तरह से गल जाए। लेकिन इससे सब्जियों के जरूरी विटामिन और मिनरल्स खत्म हो जाते हैं। इससे सब्जी ओवरकुक हो जाती है और उसका स्वाद भी कम हो जाता है। हल्की आंच पर सीमित समय तक पकाएं।

शुरुआत में नमक डालना

सब्जी बनाते समय गलत समय पर नमक डालने से भी स्वाद बिगड़ सकता है। शुरुआत में ही नमक डालने से सब्जी गल जाती है और उसका टेस्चर भी खराब हो जाता है। वहीं कुछ लोग देर में नमक डालते हैं, जिससे वह अच्छी तरह से घुल नहीं पाता।

पहली बार रखने जा रही हैं सावन सोमवार का व्रत, जानें जरूरी नियम

इस साल सावन का पवित्र महीना 30 जुलाई (गुरुवार) से शुरू होकर 28 अगस्त (शुक्रवार) तक चलेगा। इस बार सावन में कुल 4 सोमवार पड़ रहे हैं। पहला सोमवार 3 अगस्त को पड़ेगा। सावन का महीना भगवान शिव को समर्पित होता है और इस दौरान पड़ने वाले सोमवार का विशेष महत्व होता है। मान्यता है कि सावन सोमवार का व्रत रखने से कुंवारी कन्याओं को मनचाहा वर मिलता है और विवाहित महिलाओं के सुखी वैवाहिक जीवन की कामना पूरी होती है। अगर आप पहली बार सावन सोमवार का व्रत रखने जा रही हैं, तो कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना बेहद जरूरी है।

इन नियमों का पालन

व्रत रखने से पहले स्नान करके स्वच्छ वस्त्र धारण करें और भगवान शिव का ध्यान करते हुए व्रत का संकल्प लें। आप मन ही मन या हाथ में जल लेकर संकल्प कर सकती हैं कि आप पूरी श्रद्धा और निष्ठा के साथ व्रत का पालन करेंगी। व्रत के लिए आवश्यक पूजा सामग्री पहले से ही एकत्रित कर लें। इसमें भगवान शिव की मूर्ति या तस्वीर, बेलपत्र, धतूरा, भांग, सफेद चंदन, अक्षत, फूल, दूध, गंगाजल, दही, घी, शहद, शक्कर, धूप, दीप, फल और मिठाई शामिल हैं। पूजा स्थान को साफ करके भगवान शिव की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें। सबसे पहले भगवान गणेश का ध्यान करें और फिर शिवजी को जल, दूध, दही, घी, शहद, शक्कर और गंगाजल से अभिषेक करें। इसके बाद उन्हें बेलपत्र, धतूरा, भांग, सफेद चंदन, अक्षत और फूल अर्पित करें। धूप-दीप जलाकर शिव चालीसा या शिव मंत्रों का जाप करें। शिव

आरती करना न भूलें। यदि आप निर्जला व्रत रख रही हैं, तो पूरे दिन जल का सेवन भी वर्जित होता है। व्रत के दौरान सावन सोमवार व्रत कथा का पाठ करना या सुनना शुभ माना जाता है। शिवजी के भजन और मंत्रों का जाप भी करते रहें, इससे मन शांत रहता है। शाम को फिर से शिवजी की पूजा करें और आरती करें। व्रत का पारण सूर्यास्त के बाद करें। पारण करते समय सबसे पहले फलाहार या सात्विक भोजन ग्रहण करें।

सावन सोमवार व्रत कैसे रखा जाता है?

मंदिर की सफाई कर गंगाजल का छिड़काव कर शुद्ध करें। भगवान शिव का अभिषेक करें और देसी घी का दीपक जलाकर पूजा-अर्चना करें। भगवान शिव को गंध, पुष्प, धूप, बेलपत्र, अक्षत समेत आदि चीजें अर्पित करें। व्रत कथा का पाठ करें।

शिव पुराण के अनुसार सोलह सोमवार व्रत की पूजा दिन के तीसरे पहर में यानी कि 4 बजे के आस- पास शुरू करनी चाहिए. सूर्यास्त से पहले पूजन संपूर्ण हो जाना चाहिए. व्रती को पूरे दिन शिव भक्ति कर अगले दिन सूर्योदय के बाद व्रत खोलना उत्तम रहता है।

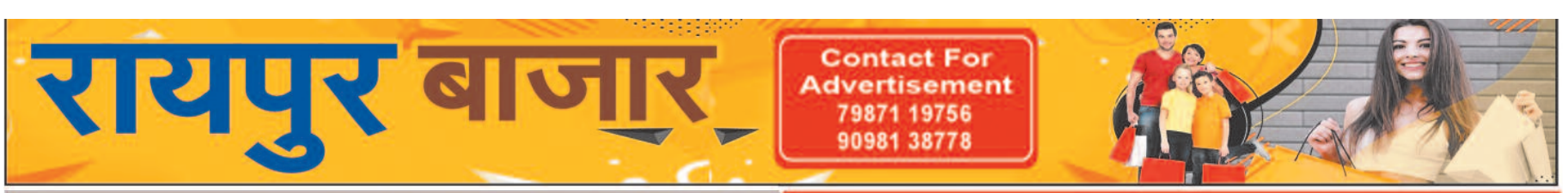

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

टॉम और जेंडया ने आखिरकार पुष्टि कर दी अपनी शादी की, जारी की तस्वीरें

हॉलीवुड के मशहूर कपल टॉम हॉलैंड और जेंडया ने आखिरकार अपनी शादी की पुष्टि कर दी है। दोनों ने काफी समय तक अपने रिश्ते और शादी को छुपाकर रखा था, लेकिन हाल ही में टॉम हॉलैंड ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि उन्होंने गुपचुप तरीके से शादी कर ली है।

फिलहाल, यह कपल अपनी आने वाली फिल्म 'स्पाइडर-मैनः ब्रांड न्यू डे' के प्रमोशन के लिए इटली के रोम शहर में है। आज जेंडाया ने अपनी और टॉम की कुछ रोमांटिक तस्वीरें शेयर कर फैंस को खुश कर दिया है।

जेंडया ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ खूबसूरत तस्वीरें शेयर कीं। इनमें से एक सेल्फी में टॉम हॉलैंड उन्हें प्यार से किस हुए नजर आ रहे हैं। इस रोमांटिक फोटो को देखकर फैंस बेहद खुश हैं। टॉम ने भी एक ब्लैक-एंड-व्हाइट फोटो शेयर की, जिसमें दोनों छत पर एक-दूसरे का हाथ पकड़े हंसते हुए दिख रहे हैं। इन तस्वीरों में दोनों का लुक काफी शानदार है।

टॉम हॉलैंड ने एक मैगजीन को दिए इंटरव्यू में बताया कि इंटरनेट पर उनकी शादी की कुछ AI द्वारा बनाई गई तस्वीरें वायरल हो रही थीं। इन नकली तस्वीरों को देखकर टॉम की दादी को लगा कि उन्हें शादी में नहीं बुलाया गया।

जब इंटरव्यू में टॉम से पूछा गया कि क्या उन्हें अपने परिवार को समझाना पड़ा, तो उन्होंने कहा, 'नहीं, क्योंकि वे सब शादी में मौजूद थे।' इस तरह टॉम ने साफ कर दिया कि उनकी शादी सच में हो चुकी है। इससे पहले मार्च में जेंडया के स्टाइलिस्ट लॉ रोच ने भी कहा था कि दोनों की शादी हो चुकी है।

टॉलीवुड

यश की 'टॉक्सिक' से सामने आया अभिनेत्रियों का धमाकेदार लुक

निर्देशक गीतू मोहनदास की आगामी फिल्म 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' से आज सभी अभिनेत्रियों की खास झलक सामने आई है। इसमें नयनतारा के एक्शन अवतार से लेकर कियारा आडवाणी का ग्लैमरस अंदाज देखने को मिला।

साउथ स्टार यश की फिल्म 'टॉक्सिक' इस साल 26 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसकी रिलीज से पहले आज निर्माताओं ने फिल्म की एक खास झलक साझा की है, जिसमें फिल्म की सभी मुख्य अभिनेत्रियों की खास झलक साझा की है।

आज 'टॉक्सिक' के निर्माताओं ने फिल्म की खास झलक साझा की है। यह खास झलक एक चेतावनी के साथ शुरू होती है, जिसमें लिखा होता है- 'पेरेंट्स, ग्रैंड पेरेंट्स और ग्रेट ग्रैंड पेरेंट्स अपने बच्चों को दूर रखें'। सबसे पहले फिल्म के इस प्रोमो में समुद्र किनारे कियारा आडवाणी का ग्लैमरस लुक दिखाया गया है। फिल्म में कियारा, नादिया के किरदार में नजर आएंगी। कियारा गुलाबी रंग की ड्रेस में बेहद खूबसूरत नजर आईं। हुमा कुरैशी इस फिल्म में एलिजाबेथ का किरदार निभा रही हैं। इस फिल्म में हुमा खलनायक की भूमिका में नजर आएंगी। ब्लैक ड्रेस में हुमा का दिलफेंक अंदाज प्रशंसकों को बेहद पसंद आ रहा है। साउथ अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत इस फिल्म में मेलिसा का किरदार निभा रही हैं। आज इस खास झलक में रुक्मिणी एक्शन करते नजर आईं। फिल्म के एक सीन में रुक्मिणी किसी के ऊपर बंदूक ताने गुस्से में नजर आ रही हैं। इस फिल्म में तारा सुतारिया, रेबेका के किरदार में नजर आएंगी। आज इस खास लुक में तारा ब्लैक ड्रेस में काफी खूबसूरत नजर आ रही हैं।

भोजपुरी

'शिव कैलाशों के वासी' गाया अक्षरा ने, वीडियो देख कर फैंस ने लुटाया प्यार

अक्षरा सिंह ने सोशल मीडिया पर एक खास भजन साझा किया है, जो महादेव के प्रसिद्ध भजनों में से एक है। अक्षरा के इस भजन को उनके फैंस बेहद पसंद कर रहे हैं। भोजपुरी अभिनेत्री और गायिका अक्षरा सिंह ने शिव के प्रसिद्ध भजनों में से एक 'शिव कैलाशो के वासी' को अपनी आवाज में गाया। इसका खास वीडियो अक्षरा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा कर प्रशंसकों को खुश कर दिया है।

अक्षरा ने इंस्टाग्रम पर अपनी आवाज में 'शिव कैलाशो के वासी' भजन का एक खास वीडियो साझा किया है। अक्षरा की आवाज में इस भजन को उनके प्रशंसक बेहद पसंद कर रहे हैं। इस वीडियो में अक्षरा, 'शिव कैलाशो के वासी, धौली धारों के राजा, शंकर संकट हरना, शंकर संकट हरना' भजन गाते हुए नजर आ रही हैं।

इस वीडियो के साथ अक्षरा ने कैप्शन में लिखा, 'महादेव के चरणों में समर्पित मेरा गाना।' इसके साथ ही अक्षरा ने प्रशंसकों से कहा कि वह इस गाने को सुनें और अपनी राय पेश करें। अक्षरा के इस वीडियो पर उनके प्रशंसक जमकर प्यार बरसा रहे हैं। एक फैन ने लिखा, 'अक्षरा सिंह, मुझे आपका ये गाना पसंद आया', दूसरे फैन ने लिखा, 'आपकी आवाज आपकी आत्मा को दर्शाती है', वहीं कई प्रशंसकों ने कमेंट में 'हर हर महादेव' लिखकर अपना प्यार जताया है।

आयरिश फैशन

विक्टोरियन-युग के एलेक्जेंड्रा पैलेस के शानदार थिएटर में सिमोन रोचा ने अपने 'फ़ॉल 2026' कलेक्शन के ज़रिए आयरिश प्रेरणा से जुड़ी कहानी पेश की। यह जवानी और लोक-कथाओं से भरा एक सपनों जैसा माहौल था, जो सेल्टिक लोक-कथाओं और आयरिश घोड़ों से जुड़े डिज़ाइनों के बीच घूमता रहा। इस कहानी को पेश कर रहे दोनों मॉडल की ड्रेस खूब पसंद की गई।

लाइफ स्टाइल

बारिश के पानी का जानिए आपके बालों पर असर

क्या बारिश का पानी बाल का खराब कर देता है? केवल बारिश का पानी बाल झड़ने या खराब होने का सीधा कारण नहीं माना जाता। हालांकि, प्रदूषित वातावरण में शुरुआती बारिश के पानी में धूल, प्रदूषक और अन्य कण मिल सकते हैं, जो स्कैल्प और बालों को प्रभावित कर सकते हैं। यदि बारिश में भीगने के बाद बाल लंबे समय तक गीले रहें या उनकी सही देखभाल न की जाए, तो स्कैल्प में खुजली, रूखापन या फंगल संक्रमण जैसी समस्याओं का जोखिम बढ़ सकता है। इसलिए बारिश के बाद बालों को साफ करना और अच्छी तरह सुखाना बेहतर माना जाता है।

बारिश में भीगने के बाद क्या करना चाहिए, कौन-सी बातें सिर्फ मिथक हैं और किन बातों का वैज्ञानिक आधार है। जानिए इस बारे में। मिथक- बारिश का पानी पड़ते ही बाल झड़ने लगते हैं। तथ्य केवल बारिश का पानी बाल झड़ने का सीधा कारण नहीं माना जाता। बाल झड़ने के पीछे तनाव, पोषण की कमी, हार्मोनल बदलाव, आनुवंशिक कारण और कुछ चिकित्सीय स्थितियां भी जिम्मेदार हो सकती हैं। यदि स्कैल्प लंबे समय तक गीला रहे या साफ न रखा जाए, तो समस्या बढ़ सकती है। मिथक - पहली बारिश का पानी सबसे ज्यादा नुकसान करता है। तथ्य लंबे सूखे मौसम के बाद शुरुआती बारिश में वातावरण की धूल और प्रदूषक नीचे आ सकते हैं। ऐसे में पहली बारिश के दौरान लंबे समय तक भीगने से बचना एक व्यावहारिक सावधानी हो सकती है। हालांकि हर पहली बारिश समान नहीं होती; यह स्थानीय प्रदूषण और मौसम की स्थिति पर भी निर्भर करता है।

मिथक - बारिश में भीगने के बाद बाल धोने की जरूरत नहीं होती। तथ्य यदि आप प्रदूषित वातावरण में भीगे हैं, तो हल्के शैम्पू या सिर्फ साफ पानी से बाल धोना उपयोगी हो सकता है। इससे धूल, गंदगी और अन्य कण हटाने में मदद मिलती है। बहुत अधिक शैम्पू का बार-बार उपयोग भी बालों को रूखा बना सकता है।

मिथक 4- बारिश का पानी बालों को हमेशा रूखा बना देता है। तथ्य सभी लोगों के साथ ऐसा नहीं होता। रूखापन इस बात पर निर्भर करता है कि बाल पहले से कितने ड्राई हैं, आपने कौन-से हेयर प्रोडक्ट इस्तेमाल किए हैं और बारिश के बाद उनकी देखभाल कैसे की। जरूरत पड़ने पर हल्का कंडीशनर या सीरम इस्तेमाल किया जा सकता है।

बेस्ट हैं अनारकली सूट, लग जाएंगे चार चांद

आपके लिए खूबसूरत अनारकली सूट के खास डिजाइन बाजार में आ गए हैं, जिन्हें पहनकर आप न सिर्फ अपनी खूबसूरती को बढ़ा सकेंगी, बल्कि जल्द आने वाले सावन सोमवार को यादगार भी बना सकती हैं।

सावन का महीना शुरू हो गया है। इस महीने में आने वाले सोमवार पर अधिकतर महिलाएं श्रृंगार कर भगवान शिव की पूजा आराधना करती हैं। ऐसे में अगर आप भी सावन महीने में पड़ने वाले सोमवार के दिन अपने लुक से घर में मौजूद सभी लोगों को खुश कर सकती हैं। आज हम आपको ऐसे खूबसूरत अनारकली सूट के बारे में बताएंगे, जिन्हें पहनकर आप न सिर्फ अपनी खूबसूरती को बढ़ा सकेंगी बल्कि इस साल सावन सोमवार को यादगार भी बना सकती हैं।

ऑरेंज रफल अनारकली सूट

इस साल सावन में आने वाले सोमवार पर आप अपने लुक को खास बनाना चाहती हैं, तो इस खूबसूरत ऑरेंज रफल अनारकली सूट को ट्राई कर सकती हैं। इस तरह के सूट को आप बाजार से कपड़ा लेकर अपनी साइज के हिसाब से टेलर से बनवा सकती हैं या आप इसे ऑनलाइन भी खरीद सकती हैं। इस सूट के साथ आप दुपट्टा भी शामिल कर सकती हैं। अपने लुक को गॉर्जियस बनाने के लिए आप इस सूट के साथ मैचिंग एक्सेसरीज भी शामिल कर सकती हैं। यह आपके लुक को कम्पलीट करने में मदद करेंगी।

मेहंदी कलर अनारकली गाउन

इस साल सावन सोमवार के दिन आप अपने लुक को खास बनाने के लिए इस खूबसूरतमेहंदी कलर अनारकली गाउन को भी ट्राई कर सकती हैं। इस तरह के सूट आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा देंगे। आप इन्हें ऑनलाइन खरीद सकती हैं या बाजार से कपड़ा लेकर टेलर से बनवा भी सकती हैं।

मानसून सीजन में ऑयली स्किन की ऐसे करें केयर

मानसून सीजन में ऑयली स्किन वाली महिलाएं अपनी त्वचा की देखभाल के लिए इस आर्टिकल में बताई गई टिप्स को फॉलो कर सकती हैं। इन टिप्स को अपनाने से जहां त्वचा से जुड़ी समस्याएं कम होंगी, वहीं स्किन का ग्लो भी बना रहेगा।

मानसून का मौसम ऑयली स्किन वाली महिलाओं के लिए बड़ी चुनौती लेकर आता है। ऐसा इसलिए क्योंकि अगर इस मौसम में ऑयली स्किन की सही तरह से केयर न की जाए, तो स्किन से जुड़ी कई सारी समस्याएं पैदा हो जाती हैं। साथ ही, स्किन का ग्लो भी कम हो जाता है।

गुनगुने पानी से करें चेहरे को साफ

स्किन का ग्लो बना रहे इसके लिए आप चेहरे को साफ करने के लिए गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। गुनगुने पानी से चेहरे को साफ करने से त्वचा के एक्स्ट्रा ऑयल को साफ करने में मदद मिलेगी, साथ ही, स्किन इन्फेक्शन की समस्या को भी कम करने में मदद करेगा। चेहरे को आप गुनगुने पानी से

सुबह और रात को सोने से पहले धोएं। साथ ही, चेहरे को क्लीन करने के लिए आप फेस वॉश का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

हफ्तेमें एक दिन करें स्क्रब का इस्तेमाल

चेहरे की डेड स्किन को साफ करने के लिए हफ्ते में 1-2 दिन स्क्रब का इस्तेमाल करें। स्क्रब की मदद से जहां डेड स्किन साफ होगी, तो वहीं स्किन पर ग्लो भी आएगा, साथ ही, स्किन सॉफ्ट भी नजर आएगी। लेकिन, स्क्रब का इस्तेमाल करने से पहले एक बार आप किसी एक्सपर्ट की राय जरूर लें।

बस एक आलू से ठीक हो सकती हैं फटी एड़ियां, 10 दिनों तक ऐसे करें इस्तेमाल

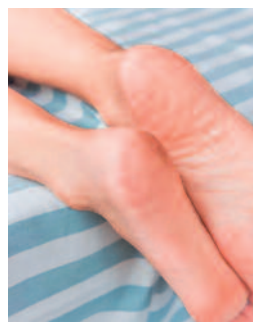

एक आलू आपके पैरों की सुंदरता बरकरार रखने में मदद कर सकता है। जी हां, इस लेख में हम आपको बताएंगे कि आप फटी एड़ियों को और रूखे पैरों को एक आलू से किस तरह हील कर सकती हैं। आपकी फटी एड़ियों को ठीक करने में भी आलू मदद कर सकता है। आलू में ऐसे गुण होते हैं जो त्वचा को नरम और हाइड्रेटेड रखने में सहायक होते हैं। इस लेख में आप जानेंगी कि कैसे आप केवल एक आलू का उपयोग करके अपनी फटी एड़ियों को 10 दिनों में ठीक कर सकते हैं।

आलू कैसे करता है फटी एड़ियों पर काम?

आलू में मौजूद पोषक तत्व और इसका स्टार्च फटी एड़ियों के लिए एक बढ़िया उपचार बन जाता है। आलू में प्राकृतिक रूप से मॉइश्चराइजिंग गुण होते हैं जो रूखी और फटी त्वचा को नमी प्रदान करते हैं। इसमें मौजूद विटामिन-सी कोलेजन के उत्पादन को बढ़ावा देता है, जो त्वचा की इलास्टिसिटी और मरम्मत के लिए महत्वपूर्ण है।

आलू में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी होते हैं, जो फटी एड़ियों में होने वाली सूजन और दर्द को कम करने में सहायक हो सकते हैं। जब आप आलू को अपनी एड़ियों पर रगड़ते हैं, तो इसके रस में मौजूद पोषक तत्व सीधे त्वचा में अब्जॉर्ब होते हैं, जिससे त्वचा मुलायम हो सकती है। सबसे पहले अपने पैरों को गुनगुने पानी में लगभग 10-15 मिनट के लिए भिगो दें। आप पानी में थोड़ा नमक या एप्सम सॉल्ट भी मिला सकते हैं। इससे त्वचा नरम होगी और डेड स्किन सेल्स ढीली पड़ जाएंगी। पैरों को पानी से निकालकर, फुट स्क्रबर का उपयोग करके धीरे-धीरे डेड स्किन को हटा दें। ध्यान रहे कि ज्यादा जोर से न रगड़ें, ताकि त्वचा को नुकसान न पहुंचे। एक आलू लें और उसे अच्छी तरह धो लें।

कार्नर न्यूज

हेल्दी हेयर के लिए मौजूद है कई विकल्प

बालों को सेहतमंद बनाए रखना अब हुआ आसान, खुद टेस्ट कर सकते हैं अपनी हेयर इलास्टिसिटी

हेल्दी हेयर पाना क्या वाकई कठिन है? असल में इतना मुश्किल नहीं है। लेकिन प्रदूषण, धूल-धूप और धुएं की वजह से बालों में कई तरह की समस्याएं होने लगती हैं। ये समस्याएं ही हेयर केयर के आसान से काम को मुश्किल बना देती हैं। कई बार लोगों को हेयर केयर के टेक्निकल शब्दों की भी जानकारी नहीं होती है। हेयर केयर के बारे में पढ़ने वाले लोग अक्सर एक शब्द हेयर इलास्टिसिटी से खास कन्फ्यूज होते हैं। जबकि, इस शब्द का जिक्र अक्सर आता रहता है।

हेयर इलास्टिसिटी की परिभाषा और महत्व

सीधे शब्दों में कहें, तो हेयर इलास्टिसिटी का मतलब बालों का लचीलापन होता है। किसी इंसान के बालों का लोच इस बात को दर्शाता है कि अगर किसी बाल को पकड़कर खींचा जाए तो सामान्य अवस्था में लौटने से पहले उस रेशे को किस हद तक खींचा जा सकता है। यही आपके बालों के घुंघरालेपन, बॉडी और बाउंस के पीछे का कारण भी होता है। ये

आपकी हेयर स्टाइल पर भी असर डालता है। अगर आप लंबे और स्टाइलिश बाल रखना चाहते हैं तो उसके लिए बालों का लचीला होना पहली शर्त है।

आमतौर पर, आपके बालों का स्वास्थ्य की लोच के आधार पर निर्धारित किया जाता है। अधिक लोच या हाई इलास्टिसिटी वाले बालों को नरम, हाइड्रेटेड और प्रबंधन करने में आसान होने का श्रेय दिया जाता है।

दूसरी ओर, कम लोच वाले बाल कमजोर और पतले होते हैं। इनसे कोई भी हेयर स्टाइल बनाना मुश्किल होता है। इससे बालों के टूटने का खतरा भी सबसे ज्यादा होता है।

बालों के लचीलेपन को क्या प्रभावित करता है?

इस उत्तर को ठीक से समझने के लिए, पहले अपने बालों की संरचना को समझना महत्वपूर्ण है। इसमें दो भाग होते हैं - क्यूटिकल कोर्टेक्स

कोर्टेक्स कई केराटिन प्रोटीन से बना होता है। ये पानी के हाई कंटेंट के ग्रिड के भीतर मौजूद होते हैं। यह बालों की प्राकृतिक लोच में प्रमुख भूमिका निभाता है। इस प्रोटीन संरचना के साथ कई इंटरैक्शन और बॉन्ड होते हैं, और इन बॉन्ड के कमजोर होने से आपके बालों की लोच प्रभावित हो सकती है। दो प्रमुख बॉन्ड इस प्रकार हैं:

हाइड्रोजन बॉन्ड्स

हाइड्रोजन बॉन्ड वो फिजिकल बॉन्ड हैं जो, जलीय हाइड्रोजन, ऑक्सीजन परमाणुओं और अमीनो एसिड नाइट्रोजन के बीच बनाए गए हैं। ये बॉन्ड बहुत ज्यादा कमजोर होते हैं और मजबूती को बरकरार रहने के लिए पर्याप्त नमी बनाए रखने की आवश्यकता होती है।

जब आपके बाल के रेशों में पर्याप्त रूप से नमी नहीं होती है तो, ये बॉन्ड कम हो जाते हैं, जिससे आपके बाल अपनी लोच या लचीलापन खो देते हैं।